www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 133 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
03 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:32
सूर्यास्त: 06:53
अधिकतम: 32°00
न्यूनतम: 27°00

» पेज 07

विशेष समाचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ... » पेज 04 | एमआईटी में गूंजा 'नशा मुक्त ... » पेज 06 | असम में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे ...

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक

4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के, बोले- 25 करोड़ की आवाज उठाना मुश्किल

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक हुई। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है। चर्चा सार्थक हो और सदन का समय बर्बाद न हो, यही हमारी अपेक्षा है। शाम 5 बजे सीएम आवास पर भाजपा सचेतक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम योगी मुख्य सचेतक और सभी सचेतकों को सत्र के दौरान पार्टी की रणनीति बताएंगे। शाम 6 बजे लोक भवन में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी।

सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। यहां की विभिन्न समस्याएं हैं। इन समस्याओं पर हम लोग चाहते हैं कि चर्चा हो, लेकिन सरकार ने सत्र बहुत छोटा कर दिया है। तीन दिन में 25 करोड़ जनता की समस्याओं पर बोलना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न होने पाए। इसीलिए चर्चा से भागने के लिए हाउस को बहुत छोटा करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

मंत्री राजभर बोले- सरकार चर्चा के लिए तैयार, विपक्ष हर बार सदन छोड़कर भाग जाता है

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- सरकार पूरी तरह तैयार है। अनुपूरक बजट लाने के लिए सरकार ये सत्र बुला रही है।

वे (विपक्ष) हर सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी करते हैं, लेकिन सदन में जब सरकार चर्चा के लिए तैयार होती है, तब सदन छोड़कर भाग जाते हैं। कांग्रेस और सपा के लोग ही पेपर लीक में लिप्त हैं, कड़ा कानून बन जाएगा तो उन्हें कैसे बचा पाएंगे। उन्हें बचाने के लिए ये लोग चिंतित हैं।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी भरोसा दिलाया कि विपक्ष की ओर से उठाए गए तमाम सवालों के जवाब सदन में दिए जाएंगे। विपक्ष की ओर से मामले को सही प्रकार से उठाया जाए। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना कहते हैं कि परंपरा के अनुसार आज सर्वदलीय बैठक हुई।

विधानसभा सत्र में किस दिन क्या होगा

यूपी विधानसभा का मानसून सत्र 3 से 6 अगस्त तक चलेगा। चार दिनों में सदन में अलग-अलग काम होंगे।

3 अगस्त- सदन में दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

4 अगस्त- सरकार की ओर से अध्यादेश, अधिसूचनाएं, नियम और दूसरे जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाएंगे। नए विधेयक पेश किए जा सकते हैं। दोपहर 12:20 बजे वित्त 2026-27 के अनुपूरक बजट की मांगें पेश की जाएंगी।5 अगस्त- सदन में विधायी काम होंगे। यानी नए कानूनों से जुड़े विधेयकों पर काम किया जाएगा। इसके अलावा जरूरत के मुताबिक दूसरे काम भी हो सकते हैं।

6 अगस्त-अनुपूरक बजट की मांगों पर चर्चा होगी। मांगों पर वोटिंग होगी। इसके बाद अनुपूरक बजट से जुड़े विनियोग विधेयक को पेश कर उस पर चर्चा और मतदान होगा। इसके अलावा विधायी काम भी होंगे।

ये अध्यादेश हो सकते हैं पास

- उत्तर प्रदेश वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय द्वितीय अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश दंड विधि में संशोधन से जुड़ा द्वितीय अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता तृतीय संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता चतुर्थ संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) द्वितीय संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय तृतीय संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय चतुर्थ संशोधन अध्यादेश, 2026
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय पंचम संशोधन अध्यादेश, 2026

योगी की पाती

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

श्रावण माह लोकमंगल, श्रम-सम्मान एवं सामूहिकता का पावन पर्व है। प्रकृति नवसृजन का संदेश देती है तथा अन्नदाता का परिश्रम हरित समृद्धि के रूप में फलीभूत होने लगता है। सनातन संस्कृति में प्रकृति का यही नवोन्मेष शिव-आराधना से जुड़कर जीवन को संयम, सेवा और समरसता का मार्ग दिखाता है।

समुद्र-मंथन के समय भगवान शिव द्वारा हलाहल का पान सृष्टि की रक्षा हेतु किए गए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है। उन्हें जल अर्पित करने की परंपरा उसी त्याग, कृतज्ञता और जनकल्याण के भाव की अभिव्यक्ति है। देवाधिदेव महादेव स्वयं प्रकृति बोध के देवता हैं। उनकी जटाओं में प्रवाहित गंगा, मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, कंठ का सर्प, नंदी जी और उनके गण, हमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का संदेश देते हैं।

ज्येष्ठ तथा आषाढ़ के ताप के उपरांत जब श्रावण की रिमझिम धरती को स्पर्श करती है, तो माटी की सोंधी सुगंध के साथ चारों ओर हरियाली छा जाती है। नदियां अपने पूर्ण सौष्ठव के साथ प्रवाहित होती हैं और मयूर का नृत्य सृष्टि के उल्लास का उद्घोष बन जाता है। यही उमंग गांवों से लेकर नगरों तक जीवन में नई ऊर्जा के रूप में झलकती है। **श्रावण में ग्रामीण क्षेत्रों में धान की रोपाई के पश्चात सामूहिक श्रम से जुड़े लोगों का सहभोज साझा संस्कृति का जीवंत प्रतीक है।** गांवों से लेकर नगरों तक शिवालयों में उमड़ती श्रद्धालुओं की आस्था सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता का अद्भुत वातावरण निर्मित करती है।

पंचतत्त्वों में जल जीवन का मूल आधार माना गया है। जल संरक्षण के प्रति हमारे संकल्प का प्रमाण है कि **प्रदेश में लगभग 20 हजार अमृत सरोवर विकसित किए जा चुके हैं।** जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक दोहन के कारण आज वैश्विक स्तर पर जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक बन गई है। यह सुखद है कि राजधानी लखनऊ की एक आवासीय सोसाइटी ने आरओ और एयर कंडीशनर से निकलने वाले प्रतिदिन लगभग 50 हजार लीटर जल को रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली से जोड़कर भूजल पुनर्भरण में उपयोग करने की प्रेरक पहल की है। **प्रकृति से जितना लें, उतना ही उसे लौटाने का संकल्प भी होना चाहिए।**

मैं आप सबसे विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि **श्रावण माह को सेवा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामाजिक सहभागिता का माह बनाने का संकल्प लें।** प्रत्येक बूंद का सम्मान तथा प्रत्येक पौधे का संरक्षण करें। यही श्रावण का वास्तविक संदेश है और समृद्ध, सुरक्षित तथा विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला भी।

आपका
योगी आदित्यनाथ

जल ही जीवन है
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

अभिजीत दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

नई दिल्ली। सूरत के RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग (ECI) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) को शिकायत भेजी है। तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (MIDC) में जूनियर इंजीनियर (JE) थे।

मुख्यमंत्री योगी से मिले हरदोई के डीएम-एसपी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात 2 अगस्त रविवार देर शाम 7 बजे लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई। मुलाकात के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। इसमें हरदोई जनपद से जुड़े विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

गोवा में कांग्रेस-जीएफपी में गठबंधन पर चर्चा

नई दिल्ली। गोवा में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (GFP) ने गठबंधन को लेकर शुरुआती बातचीत शुरू कर दी है। वहीं, आम आदमी पार्टी (AAP) ने भी गठबंधन के संकेत दिए हैं। GFP प्रमुख विजय सरदेसाई के साथ गठबंधन को लेकर चर्चा की है।

इंडोनेशिया में फेरी बोट में लगी आग

लोग जान बचाने समुद्र में कूदे, 5 की मौत, 271 लोग सवार थे, 41 लापता

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक फेरी बोट में आग लग गई। इसके बाद लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। रॉयटर्स के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक फेरी में कुल 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। कुछ लोग जान बचाने के लिए बोट से समुद्र में कूद गए। दोपहर तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों की तलाश जारी है। फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के पास उसमें आग लग गई।

- **लोगों ने फेरी के अगले हिस्से से कूदकर खुद की जान बचाई।**
- **आग लगने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मची और वे बोट से कूदने के लिए तैयार हो गए।**

» (शेष पेज 06 पर)

चाकू लेकर मुझे मारने आया था, संसद में चढ़ावा चोरी का नाटक किया था

पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बवाल

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ FIR दर्ज की गई है। पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटकर किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदूवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पू यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है? मेरा का क्या गुनाह है? गुनाह बृजभूषण तिवारी का है, चंपत राय का है। पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने कहा- हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी, फिर चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और हमलावरों को बचाने में लगी थी। उनका दावा है कि हमलावर प्रयागराज के अतीक अहमद हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने आए थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद एक अन्य समर्थक ने कहा- तीन-चार लोग अचानक वहां पहुंचे और चाकू से हमला करने की कोशिश की। मैंने पप्पू यादव को बचाने के लिए अपना हाथ आगे कर दिया। चाकू से मेरी ऊंगली पर कट लगा, इसके बाद भी हमलावर हमला करते रहे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शनिवार को पप्पू यादव की पत्नी और राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के दिल्ली स्थित आवास के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और साधु-संतों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस पर रविवार को पप्पू यादव ने चेतावनी देते हुए कहा- अगर मेरे बच्चों और परिवार तक पहुंचे, तो महाभारत से भी बड़ा महाभारत होगा।

समर्थकों का दावा- अतीक हत्याकांड जैसी वारदात की प्लानिंग थी

पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने कहा- हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी, फिर चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और हमलावरों को बचाने में लगी थी। उनका दावा है कि हमलावर प्रयागराज के अतीक अहमद हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने आए थे।

- **पुलिस आरोपी को (लाल घेरे में) पकड़कर ले जा रही थी, तब भी पप्पू यादव के समर्थक उसे पीट रहे थे।**
- **हमलावर को पुलिस के सुपुर्द करने के बाद पप्पू यादव ने अपना हाथ देखा और आगे बढ़ गए।**

» (शेष पेज 06 पर)

संबोधन : दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं, हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा : पीएम

- **पीएम ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया।**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

» (शेष पेज 06 पर)

"पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

चर्चा : कर्नाटक में जल्द हो सकता है कैबिनेट विस्तार

डीके शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान की दिल्ली में बैठक

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। यहां कैबिनेट विस्तार पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं। डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमांड जातीय, सामुदायिक और नए-पुराने नेताओं में बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से कैबिनेट विस्तार में देरी हो रही है।

» (शेष पेज 06 पर)

सावन के रविवार को उमड़ा आस्था का सैलाब लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा लोधेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

हर-हर महादेव के जयघोष से शिवमय हुआ महादेवा धाम

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सावन माह के पावन रविवार को बाराबंकी जनपद का प्रसिद्ध महादेवा धाम भगवान भोलेनाथ की भक्ति में पूरी तरह सराबोर नजर आया। फतेहपुर–सूरतगंज मार्ग पर सुबह से ही लाखों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कंधों पर कांवड़, हाथों में गंगाजल और मुख पर ₹हर-हर महादेव₹ व ₹बम-बम भोले₹ के गगनभेदी जयघोष के साथ श्रद्धालु भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए नंगे पांव मंदिर की ओर बढ़ते रहे। पूरे दिन मार्ग पर आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे मार्ग पर डीजे पर बज रहे शिव भजन, ढोल-नगाड़ों की गूंज और हर-हर महादेव व बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। भगौली, फतेहपुर, बेलहरा, सूरतगंज, बसौली, मोहम्मदपुर खाला, लालपुर, भैरमपुर समेत आसपास के गांवों और कस्बों से हजारों श्रद्धालु पैदल कांवड़ यात्रा कर महादेवा धाम पहुंचे। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जगह-जगह विश्राम करते और फिर भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था रही चाक-चौबंद

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मंदिर परिसर, प्रमुख चौराहों, संवेदनशील स्थानों और मुख्य मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही बिना किसी बड़ी बाधा के जारी रही। प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते रहे और आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे।

सुबह से ही उमड़ने लगी श्रद्धालुओं की भीड़

ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का महादेवा धाम पहुंचना शुरू हो गया था। समय बढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई और दोपहर तक फतेहपुर–सूरतगंज मार्ग पूरी तरह केसरिया वस्त्रधारी कांवड़ियों से भर गया। सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई देती रहीं। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग, युवा और बच्चे सभी बाबा लोधेश्वर के दर्शन के लिए उत्साह के साथ यात्रा करते नजर आए। कई श्रद्धालु परिवार के साथ पहुंचे, जबकि युवाओं की टोलियां शिव भजनों और जयकारों के बीच पैदल यात्रा करती हुई महादेवा धाम पहुंचीं।

महिलाओं ने 25 दिन में एक बोतल बिकने नहीं दी

आगरा में शराब के खिलाफ संभाला मोर्चा, ठेका हटाने की जिद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। एक महीने पहले ठेका खुला, लेकिन महिलाओं ने 25 दिन से उसकी एक भी बोतल नहीं बिकने दी है। आगरा के जयपुरा हाउस स्थित आलोक नगर में महिलाएं और स्थानीय लोग शराब के ठेके के सामने धरने पर बैठे हैं। विरोध इतना तेज है कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आबकारी विभाग को पुलिस तैनात करनी पड़ी। अब आंदोलन को और धार देने के लिए रविवार शाम ठेके के सामने सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना कि एक महीने पहले ठेका खुला है, आए दिन लोग शराब पी कर यहां पर हुड़दंग करते हैं। ठेके से 500 मिटर की दूरी पर दो स्कूल हैं। आर्य समाज, झूलेलाल और जैन मंदिर सहित पांच मंदिर हैं। बच्चे स्कूल के लिए यहां से निकलेंगे, तो उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। बुजुर्ग मंदिर नहीं जा पाते है। ठेके पर खड़े लोग गाली देते हैं। स्थानीय विधायक उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करीब 20 दिन पहले धराना स्थल पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने एक हॉल में सभी के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने डीएम और आबकारी विभाग से बात कर के ठेके को बंद करा दिया था। लेकिन 10 दिन बाद ठेका फिर से खुल गया। इसका नतीजा ये निकला कि ठेके के आसपास के दो डॉक्टर को अपना क्लीनिक बंद करना पड़ा। वहीं अब कुछ और दुकानदार अपनी दुकानें बंद करने की तैयारी में हैं। स्थानीय पार्षद रेनू गुप्ता ने बताया- ठेके खुलने के बाद लोग बीच सड़क पर शराब पीते हैं। जिसकी वजह से दिन में भी महिलाएं निकल नहीं सकती हैं। अगर कोई महिला यहां से निकलती हैं, तो गंदे कमेंट किए जाते है। इसीलिए अभी हम शांतिपूर्ण इस ठेके को यहां से हटा कर कहीं और ले जाने की अपील कर रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है।

फास्ट न्यूज़

महिला का पर्स छीनने वाला लुटेरा गिरफ्तार

उन्नाव। उन्नाव में कोतवाली सदर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए महिला से पर्स लूट की वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, पर्स, चाबी का गुच्छा और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। रविवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने पूरे मामले का खुलासा किया।

नौकरानी ने एक करोड़ की चोरी की

आगरा। आगरा के थाना हरीपर्वत अंतर्गत विजय नगर कॉलोनी के अनुपम रॉयल अपार्टमेंट में रहने वाले अनिल कुमार कौशिक के घर एक करोड़ से ज्यादा की चोरी का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया है। घर में काम करने वाली नौकरानी ने अपने मां, बहन और भाभी के साथ मिलकर घर से ज्वेलरी चुराई थी। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से करीब 80 लाख रुपए की ज्वेलरी बरामद हुई है। सोने के 17 सिक्के अभी नहीं मिले हैं। एसीपी हरीपर्वत अमीषा ने बताया कि एक अगस्त को अनिल कुमार कौशिक ने पुलिस को सूचना दी कि उनके घर में चोरी हो गई है।

ससुराल से लौट रहे युवक को बोलेरो ने टक्कर मारी

हरदोई। हरदोई के साण्डी–बिलग्राम रोड पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा शाम करीब 7:15 बजे मकसूदपुर मोड़ के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के धौरहरा (मजरा दस्यौली) निवासी 24 वर्षीय दीपचन्द्र, पुत्र श्रीराम, के रूप में हुई है।

आखिर क्यों निशाना बनाए जा रहे हैं पत्रकार?

महिला पत्रकार के साथ अभद्रता की घटना पर जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) ने जताई चिंता

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली / बाराबंकी। गैर मान्यताप्राप्त पत्रकारों के संगठन जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान एक महिला पत्रकार के साथ कथित अभद्रता की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। डॉ. अनुराग सक्सेना ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले पत्रकार लगातार विभिन्न परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें कवरेज के दौरान अभद्र व्यवहार, हमले, धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की कि पत्रकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा पत्रकारों के साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबे समय से लंबित पत्रकार सुरक्षा कानून के विधेयक को अविलंब मंजूरी देकर प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि देशभर के पत्रकार निर्भय होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। डॉ. सक्सेना ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा केवल पत्रकारों का मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा विषय है।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की मानसी गुप्ता और सुमित शर्मा ने बढ़ाया संस्थान का मान

बरेली कॉलेज के दो शोधार्थियों का इंस्पायर फ़ेलोशिप के लेवल-II मूल्यांकन के लिए चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विभाग के दो शोधार्थियों मानसी गुप्ता और सुमित शर्मा का भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संचालित प्रतिष्ठित INSPIRE Fellowship के Level-II Evaluation के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि से बरेली कॉलेज और महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। मानसी गुप्ता वर्ष 2024 में एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) की स्वर्ण पदक विजेता रही हैं, जबकि सुमित शर्मा ने वर्ष 2025 में इसी विषय में गोल्ड मेडल हासिल किया था। वर्तमान में दोनों पर्यावरण विज्ञान विभाग में शोध कार्य कर रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार INSPIRE Fellowship के Level-II Evaluation तक पहुंचना उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध क्षमता, अनुशासन और निरंतर मेहनत का प्रमाण है।

शिक्षकों ने बताया शोध संस्कृति और शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम

शिक्षकों ने भी दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर विभाग की प्रो. अनामिका अग्रवाल, प्रो. निष्ठा सेठ और प्रो. गौरव भूषण ने भी दोनों शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि INSPIRE Fellowship जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फेलोशिप के Level-II Evaluation के लिए चयन होना किसी भी शोधार्थी के लिए अत्यंत सम्मान और गर्व की बात है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने मानसी गुप्ता एवं सुमित शर्मा को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल शोध भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रशासन ने इसे न केवल पर्यावरण विज्ञान विभाग, बल्कि पूरे बरेली कॉलेज और महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व का विषय बताया।

विभागाध्यक्ष बोले- अनुसंधान और नवाचार को लगातार मिल रहा बढ़ावा

पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों शोधार्थी आगामी चरणों में भी सफलता हासिल कर INSPIRE Fellowship प्राप्त करेंगे और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश राय ने दोनों शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता बरेली कॉलेज की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा और मजबूत शोध संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों शोधार्थी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों से महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।

नर सेवा नारायण सेवा समिति में नई नियुक्तियां

13 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों लोग शामिल होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 'नर सेवा नारायण सेवा समिति' ने संगठन विस्तार के तहत उन्नाव में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। रविवार दोपहर हुई घोषणा के अनुसार, संस्था के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने राकेश राजपूत को उन्नाव का जिलाध्यक्ष और अजय त्रिवेदी को जिला प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधि-कारियों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। ये नई नियुक्तियां संस्था की एक बैठक के दौरान की गईं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है। द्विवेदी ने विश्वास व्यक्त किया कि राकेश राजपूत और अजय त्रिवेदी के नेतृत्व में संस्था जनपद में सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रहित के कार्यों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा के अनुरूप निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी में देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर विस्तार

बैठक में आगामी 13 अगस्त को आयोजित होने वाली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की और विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं। सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर यात्रा को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

वक्ताओं ने तिरंगा यात्रा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका लक्ष्य केवल एक आयोजन करना नहीं है। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना तथा सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देना है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

सतीश चंद्र, विष्णु गुप्ता और आलोक कुशवाहा सहित कई अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अमित तिवारी, दीपचंद तिवारी, सर्वेश शुक्ला, अंकुर त्रिपाठी, शिवम शुक्ला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और तिरंगा यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

सिपाही ने पंखे से लटककर जान दी

बैरक में टी-शर्ट फाड़कर फंदा बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

सिपाही दीपक, मृतक

बाराबंकी। बाराबंकी में पीएसी में तैनात एक सिपाही ने बैरक के अंदर फंदे से लटककर जान दे दी। सिपाही की ड्यूटी महादेवा मंदिर में लगी थी। उसकी टीम ड्यूटी पर चली गई थी, लेकिन सिपाही बैरक में ही रुका हुआ था। सिपाही ने अपनी टी-शर्ट फाड़कर उसका पंखे पर फंदा बनाया। फिर उससे लटक गया। मौके पर पहुंचे अन्य सिपाहियों ने जब शव लटका देखा, तो अफसरों को सूचना दी। इस पर पीएसी कमांडेंट राकेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। सिपाही का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस अफसरों का कहना है कि सिपाही मोबाइल में ऑनलाइन गेम खेला करता था। गेम में हारने की वजह से उस पर काफी कर्ज हो गया था। वह सुबह से थोड़ा परेशान दिख रहा था। मामला मसौली में स्थित पीएसी का रविवार सुबह 6 बजे का है। सिपाही का नाम दीपक कुमार (28) था। वह मेरठ का रहने वाला था। 10वीं वाहिनी पीएसी में उसकी तैनाती थी। उसकी भर्ती 2021 में हुई थी। दीपक की शादी 4 साल पहले 2022 में हुई थी। उसकी 2 साल की एक बेटी भी है। दीपक के बड़े भाई अजय सिंह नोएडा कोतवाली में दरोगा के पद पर तैनात हैं।

हादसा : उन्नाव में पिता-चाचा गंभीर घायल, मां ने 3 घंटे पहले दिया था दूसरे बच्चे को जन्म

ट्रक-बाइक की टक्कर में 4 साल के मासूम की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में रविवार सुबह करीब 9 बजे घर में नवजात बच्चे के जन्म की खुशी मातम में बदल गई। गल्ला मंडी गेट के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता और चाचा घायल हो गए। जानकारी के अनुसार मृतक मासूम शाश्वत शुक्ला के पिता अपनी पत्नी वंदना से मिलने बांगरमऊ अस्पताल जा रहे थे। जिन्होंने 3 घंटे पहले एक बच्चे को जन्म दिया था। नवजात के घर आने से पहले ही बड़े बेटे की मौत की खबर पहुंची तो परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के तमोरिया बुजुर्ग गांव के रहने वाले निर्मल शुक्ला (उम्र 30) अपने चार वर्षीय पुत्र शाश्वत शुक्ल और चचेरे भाई राधेश्याम शुक्ल को बाइक पर बिठाकर सीएचसी मे प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती अपनी पत्नी वंदना को देखने जा रहे थे। निर्मल पत्नी वंदना (28 वर्ष) के साथ घर पर ही रहकर खेती किसानी करता है। उससे ही परिवार का भरण पोषण करता चलता है। पत्नी वंदना ने रविवार सुबह करीब 6 बजे बांगरमऊ अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया था। निर्मल बड़ी खुशी से अपने बड़े बेटे शाश्वत शुक्ला (4 वर्ष) और चचेरे भाई राधेश्याम के साथ पत्नी से मिलने अस्पताल जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े 8 बजे जैसे ही वे बांगरमऊ नगर में प्रवेश कर गल्ला मंडी गेट के पास पहुंचे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शाश्वत उछलकर सड़क पर गिर गया और ट्रक उसे रौंदता हुआ निकल गया। शाश्वत की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में निर्मल शुक्ला और उनके चचेरे भाई राधेश्याम भी बाइक से गिरकर चोटिल हो गए, हालांकि उनकी जान बच गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और बच्चे के शव को कब्जे में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के बाहर ही परिजनों की भीड़ जमा हो गई। परिवार में मातम छा गया। जिस परिवार में कुछ घंटे पहले नवजात के जन्म की खुशी मनाई जा रही थी, उसी परिवार में बड़े बेटे की मौत की खबर पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

- **शाश्वत उछलकर सड़क पर गिर गया और ट्रक उसे रौंदता हुआ निकल गया। जिससे उसकी मौत हो गई।**
- **शाश्वत की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिवार में सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।**

सुल्तानपुर के शादाब ने नीट में हासिल की शानदार रैंक

इंटर में जिला टॉप करने वाले छात्र का अंसारी संगठन ने किया सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के मोहम्मद शादाब अंसारी ने नीट परीक्षा में 720 में से 653 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 1252 हासिल की है। इस शानदार सफलता से जिले में खुशी का माहौल है। रविवार एक बजे अंसारी संगठन ने छात्र के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया। शादाब अंसारी ने इससे पहले वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट परीक्षा में सुल्तानपुर जिले में टॉप किया था। यह उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता का दूसरा बड़ा प्रमाण है। मोहम्मद शादाब अंसारी इटकौली निवासी डॉ. शमीम अंसारी के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, गुरुजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने खुशी व्यक्त की है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे एक योग्य चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट में टॉप करने पर भी अंसारी संगठन ने अपने वार्षिक कार्यक्रम में शादाब को सम्मानित किया था। इसी कड़ी में, मोमिन अंसार फोरम ने अपनी मासिक बैठक में नीट टॉपर मोहम्मद शादाब की हौसला अफजाई की। सम्मान समारोह के दौरान, फोरम के वरिष्ठ सदस्य अजीज अंसारी ने शादाब के पिता डॉ. शमीम अंसारी का सम्मान किया। फोरम के संरक्षक अतीक अंसारी ने मोहम्मद शादाब को गुलपोशी कर सम्मानित किया। फोरम के अध्यक्ष फरहत उल्ला अंसारी और उस्मान अंसारी ने शादाब को स्मृति चिन्ह और बुके भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिया अंसारी, मोहतमिम अंसारी, हाजी हसीब अंसारी, नियाज अंसारी, इफ्तेखार अंसारी, मोहम्मद इलियास अंसारी, सईद अंसारी, मौलाना उबैदुल्लाह अंसारी, फ़ैज़ी, मालिक अंसारी, अनवर फौजी, हसीब अंसारी, अदील अंसारी, आरिफ अंसारी और मीडिया प्रभारी जावेद अंसारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने शादाब को गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी।

निर्माणाधीन मकान पर करंट से मजदूर की मौत

इलाज और सूचना देने के तरीके पर परिजनों ने उठाए सवाल

लापरवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के कटरिया (बुढ़ाईपुर) गांव में शनिवार दोपहर एक निर्माणाधीन मकान पर काम कर रहे 55 वर्षीय मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद जहां परिवार में कोहराम मच गया, वहीं घटना ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब मृतक के परिजनों ने उपचार की प्रक्रिया और सूचना देने में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंप दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, मजदूर निर्माणाधीन मकान पर कार्य कर रहा था। इसी दौरान वह बिजली की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक की पत्नी गुलशन जहरा और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद पत्नी ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर पूरे घटनाक्रम पर सवाल उठाए। तहरीर में आरोप लगाया गया कि हादसे के बाद उनके पति को पहले किसी नजदीकी चिकित्सक या संबंधित अस्पताल में उपचार के लिए ले जाने के बजाय सीधे राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। पत्नी का यह भी आरोप है कि परिजनों को समय रहते हादसे की सूचना नहीं दी गई। इतना ही नहीं, उनकी जानकारी के बिना ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, जिससे परिवार में नाराजगी है। परिजनों ने अपनी तहरीर में पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि हादसे के बाद अपनाई गई प्रक्रिया की जांच होना जरूरी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिस को तहरीर देने के बावजूद समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था। उन्होंने प्रशासन से मामले में पारदर्शी जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

*** सबमर्सिबल का स्टार्टर चालू करते समय हुआ हादसा, पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने शुरू की जांच; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार**

पुलिस बोली- रिपोर्ट और जांच के आधार पर होगी कार्रवाई

अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। निर्माण स्थल पर हुए इस हादसे के बाद श्रमिक सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा और दुर्घटना के बाद अपनाई गई प्रक्रिया को लेकर क्षेत्र में चर्चा है। अब परिजनों की शिकायत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

काम के दौरान हुआ हादसा, मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित

कटौना निवासी बेदार हुसैन (55) रोजाना की तरह शनिवार सुबह मजदूरी के लिए निकले थे। वह इन दिनों अकबरपुर के कटरिया स्थित चिकित्सक डॉ. बीडी वर्मा के निर्माणाधीन आवास पर निर्माण कार्य में लगे थे। दोपहर करीब दो बजे वह सबमर्सिबल पंप चालू करने के लिए स्टार्टर के पास पहुंचे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए। साथ में काम कर रहे मजदूरों ने बिजली आपूर्ति बंद कर उन्हें अलग किया और तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

30 दिसंबर तक चलेगा 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0'

वैवाहिक, चेक बाउंस, उपभोक्ता, दुर्घटना दावा और संपत्ति विवाद समेत कई मामलों को किया जाएगा चिन्हित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में लंबित मुकदमों के त्वरित निस्तारण के लिए 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0' की शुरुआत हो गई है। यह अभियान 1 अगस्त से 30 दिसंबर 2026 तक चलेगा। अभियान के तहत सुलह-समझौते की संभावना वाले मामलों को चिन्हित कर मध्यस्थता के जरिए निस्तारित करने का प्रयास किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीलम वर्मा ने बताया कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराना है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और ऐसे अन्य दीवानी मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें समझौते की संभावना है। इन मामलों की पत्रावलियों को संबंधित न्यायालयों से चिन्हित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजा जाएगा। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर सुलह-समझौते के आधार पर विवाद समाप्त कराने का प्रयास होगा। सचिव नीलम वर्मा ने न्यायालयों में लंबित ऐसे मामलों के पक्षकारों से मध्यस्थता प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है, जिनका समाधान आपसी सहमति से संभव है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता से समय और खर्च दोनों की बचत होती है तथा विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान निकलता है।

फास्ट न्यूज

आधी रात ट्रांसफार्मर बना आग का गोला

अंबेडकर नगर। हंसवर थाना क्षेत्र के सैदपुर-लेडु-वाडीह गांव की कन्नौजिया बस्ती में शनिवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बस्ती में लगा 25 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर अचानक धू-धू कर जलने लगा। आग की लपटें तेज होने से आसपास के घरों तक खतरा पहुंच गया, लेकिन ग्रामीणों की सतर्कता और सामूहिक प्रयास से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज, धान की फसल को मिली नई संजीवनी

अंबेडकर नगर। रविवार को जिले में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से आसमान पर घने बादलों का डेरा रहा और कुछ ही देर बाद जिले के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई। बसखारी क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे के बाद तेज बारिश हुई, जबकि अकबरपुर और आसपास के इलाकों में रिमझिम फुहारों ने मौसम को सुहावना बना दिया। बारिश के साथ ही पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। सावन के बीच हुई बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है।

जनसेवा के लिए संध्या सिंह को मिला 'जनशक्ति सम्मान'

अम्बेडकरनगर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, अम्बेडकरनगर शाखा की चेयरमैन एवं आरम्भ फाउंडेशन की अध्यक्ष संध्या सिंह को समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए लखनऊ में आयोजित 'जनशक्ति सम्मान समारोह' में 'जनशक्ति सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन द सेलेस्टियन मेनोर में माँ गायत्री जन सेवा संस्थान और नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

मेडिकल कॉलेज से निकली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में रविवार को 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण और जागरूकता रैली से हुई।

इसके बाद मेडिकल कॉलेज के सभागार में विद्यार्थियों और कर्मचारियों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के जन आंदोलन कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। इसमें छात्र-छात्राओं, चिकित्सकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य ने कहा कि युवाओं का मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है।

नशे की लत व्यक्ति को उसके लक्ष्य से भटका सकती है। उन्होंने कहा कि यदि परिवार का कोई सदस्य नशे की समस्या से जूझ रहा हो तो उसे छिपाने के बजाय समय पर उपचार और काउंसलिंग उपलब्ध करानी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, काउंसलिंग सेवाओं और नशा मुक्ति के विभिन्न उपायों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन मानसिक रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार गुप्ता और सहायक आचार्य डॉ. पारुल यादव ने किया। इस दौरान डॉ. मुकुल सक्सेना, डॉ. रितेश राय, डॉ. अनिल सिंह यादव, डॉ. शिवरतन, डॉ. राणा प्रताप, डॉ. प्रियंका यादव सहित चिकित्सक, छात्र-छात्राएं और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई।

विभाग से जवाब तलब की प्रक्रिया शुरू, उपभोक्ता का आरोप- अधिक यूनिट दर्ज कर वसूली गई अतिरिक्त राशि

कथित गलत बिजली बिलिंग का मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आलापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा चहोड़ा शाहपुर निवासी एक उपभोक्ता ने बिजली विभाग की कथित गलत बिलिंग, अतिरिक्त धनराशि की वसूली और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दायर किया है। मामला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा-35 के तहत मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता, आलापुर के विरुद्ध दर्ज किया गया है। परिवाद के अनुसार, वर्ष 2021 में उनके पिता के नाम बिजली कनेक्शन जारी हुआ था। शिकायत में कहा गया है कि विभागीय अभिलेखों में उपभोक्ता संख्या बदलने और गलत मोबाइल नंबर दर्ज होने के कारण समय पर बिल और मीटर रीडिंग की जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में कनेक्शन स्थानांतरण के दौरान विभागीय रिकॉर्ड में कथित विसंगतियां सामने आईं। परिवाद में यह भी आरोप लगाया गया है कि गलत बिलों के आधार पर अतिरिक्त धनराशि वसूली गई। समय पर भुगतान के बावजूद कई बार बिजली कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई, जिससे मानसिक परेशानी हुई।

बिलिंग और मीटर रीडिंग की निष्पक्ष जांच की मांग

उपभोक्ता का आरोप है कि विभाग ने वास्तविक मीटर रीडिंग की तुलना में करीब 1800 यूनिट अधिक दर्ज कर बिल जारी किए। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत के बाद विभाग ने रिकॉर्ड में संशोधन कर पहले दर्ज यूनिटों में सुधार किया।

इसे उन्होंने बिलिंग में त्रुटि का आधार बताया है।

आयोग की ओर से संबंधित विद्युत विभाग से जवाब तलब किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। मामले में अंतिम निर्णय आयोग की सुनवाई के बाद होगा।

अभिभावकों का आरोप- प्रवेश प्रक्रिया के दौरान 'असम्पशन ऑफ रिस्क' दस्तावेज पर कराए जा रहे हस्ताक्षर

'दुर्घटना पर स्कूल जिम्मेदार नहीं?'... निजी स्कूल के कथित फॉर्म ने खड़े किए कई सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिले के एक निजी विद्यालय ग्लोबल विजडम स्कूल ऑफ एजुकेशन में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान अभिभावकों से कथित रूप से कराए जा रहे एक दस्तावेज को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन उन्हें 'Assumption of Risk' (असम्पशन ऑफ रिस्क) नामक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए कह रहा है। इस दस्तावेज में कथित तौर पर यह उल्लेख किया गया है कि यदि स्कूल परिसर, खेल गतिविधियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों अथवा स्कूल बस में किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की नहीं होगी। इस मामले के सामने आने के बाद कई अभिभावकों ने चिंता जताते हुए प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है और यदि किसी दस्तावेज के माध्यम से इस जिम्मेदारी से मुक्त होने का प्रयास किया जा रहा है, तो इसकी वैधानिकता और औचित्य की जांच आवश्यक है। शिकायत करने वाले अभिभावकों का कहना है कि उन्हें प्रवेश प्रक्रिया के दौरान इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया। उनका दावा है कि दस्तावेज की भाषा और उसमें उल्लिखित शर्तों को लेकर कई अभिभावकों के मन में असमंजस की स्थिति है। उनका कहना है कि यदि किसी निजी विद्यालय द्वारा इस प्रकार का दस्तावेज लिया जा रहा है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि वह शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों, राज्य सरकार के नियमों और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के अनुरूप है या नहीं। अभिभावकों ने कहा कि विद्यालयों को छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करना अनिवार्य है। ऐसे में किसी भी दस्तावेज के माध्यम से जिम्मेदारी से जुड़े प्रावधानों को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना उचित नहीं है। अभिभावकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि संबंधित अधिकारियों को दस्तावेज की सभी शर्तों का परीक्षण करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि कहीं इसमें ऐसे प्रावधान तो शामिल नहीं हैं।

'बिना पूरी जानकारी के हस्ताक्षर' का आरोप

अभिभावकों का कहना है कि प्रवेश संबंधी औपचारिकताओं के दौरान उन्हें दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, लेकिन इसकी शर्तों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। उनका आरोप है कि कई अभिभावकों ने दस्तावेज की कानूनी स्थिति समझे बिना ही हस्ताक्षर कर दिए। उनका कहना है कि इस प्रकार की प्रक्रिया से भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा स्कूल परिसर और स्कूल बस, दोनों जगह विद्यालय की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। ऐसे में यदि किसी दस्तावेज में दुर्घटना से जुड़ी जिम्मेदारी का उल्लेख किया गया है तो उसकी वैधता और नियमों के अनुरूप होने की जांच आवश्यक है।

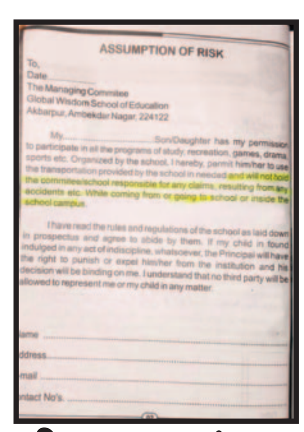
ASSUMPTION OF RISK

To,

Date

The Managing Committee

Global Wisdom School of Education

Akbarpur, Ambekdar Nagar, 224122

My.......... Son/Daughter has my permission to participate in all the programs of study, recreation, games, drama, sports etc. Organized by the school. I hereby, permit him/her to use the transportation provided by the school in needed and will not hold the committee/school responsible for any claims, resulting from any accidents etc. While coming from or going to school or inside the school campus.

I have read the rules and regulations of the school as laid down in prospectus and agree to abide by them. If my child in found indulged in any act of indiscipline, whatsoever, the Principal will have the right to punish or expel him/her from the institution and his decision will be binding on me. I understand that no third party will be allowed to represent me or my child in any matter.

Name

Address

Email

Contact No's.

विद्यालय प्रबंधन का पक्ष आना बाकी

इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। प्रबंधन की प्रतिक्रिया मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। फिलहाल मामला अभिभावकों द्वारा लगाए गए आरोपों और जांच की मांग तक सीमित है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संबंधित अधिकारियों की जांच और विद्यालय के आधिकारिक पक्ष का इंतजार किया जाना आवश्यक होगा.

इमाम हुसैन की याद में रक्तदान शिविर

25 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। शहीदे आज़म हज़रत इमाम हुसैन (अलैहिस्सलाम) की याद में रविवार को अल-इमाम चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन संयुक्त मजिस्ट्रेट थनिगैअरसन (आईएएस), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पी.एन. यादव और बैंक ऑफ बड़ौदा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक अनिल कुमार बैजवा ने किया। शिविर में 72 लोगों ने पंजीकरण कराया। इनमें 35 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद 25 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं में ख्वाजा अली हुसैन, अमानत अब्बास, अली बाकर, अहमद मेहंदी, ख्वाजा हुसैन हैदर, अबू तराब नकवी, इरफान हैदर, शाहिद रजा, सैय्यद गुलाम मुर्तजा, नजराना बानो, शुजात अब्बास, कायम रजा, शुजा रिजवी, अली मेहंदी, सिप्ते हसन, रोहित, डॉ. आमिर अब्बास, सैय्यद रियाजुल हसन सहित अन्य लोग शामिल रहे। अल-इमाम चैरिटेबल फाउंडेशन के चेयरमैन ख्वाजा शफात हुसैन ने अतिथियों और रक्तदाताओं का स्वागत किया। रक्तदान करने वाले सभी लोगों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

झटका : कोचिंग जाते समय तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार युवक को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

सिपाही भर्ती में सफलता के बाद बुझ गया अफसर बनने का सपना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। सिपाही भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके 22 वर्षीय उत्कर्ष वर्मा की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। उत्कर्ष आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे और रोज की तरह रविवार सुबह साइकिल से कोचिंग के लिए निकले थे। हादसे के बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के कुछ ही देर बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। लोगों ने तत्काल घायल युवक की मदद करते हुए एंबुलेंस को सूचना दी और प्राथमिक राहत पहुंचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद यादव ने मानवता का परिचय देते हुए घायल उत्कर्ष को अपने निजी वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर रेफर कर दिया। वहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उत्कर्ष की जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों के अनुसार, उत्कर्ष वर्मा ने हाल ही में सिपाही भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इसके साथ ही वह अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे थे। उनकी मेहनत और सफलता से परिवार को उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद थी, लेकिन सड़क हादसे ने उन सभी सपनों को एक झटके में तोड़ दिया।

कोचिंग जाते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, शाहपुर नैपुरा निवासी उत्कर्ष वर्मा रविवार सुबह घर से साइकिल लेकर एनवां स्थित कोचिंग के लिए निकले थे। जब वह केशव शरण बालिका विद्यालय, अवसानपुर के पास पहुंचे, तभी अयोध्या की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि उत्कर्ष कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे। हादसे में उनके सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह सड़क पर तड़पते रहे।

सीसीटीवी फुटेज के जरिए वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

इब्राहिमपुर थानाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे में शामिल कार और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

वाराणसी से आई पावन मिट्टी, भाजपा ने जिले में शुरू की गुरु रविदास कलश यात्रा

अटल भवन से रवाना हुआ कलश, पहले चरण में कटेहरी विधानसभा के मंडलों का करेगा भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मभूमि वाराणसी से लाई गई पावन मिट्टी के कलश के साथ भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को जिले में कलश यात्रा की शुरुआत की। जिला मुख्यालय स्थित अटल भवन से पूजा-अर्चना के बाद यात्रा को रवाना किया गया। पहले चरण में यह यात्रा कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में पहुंचेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के नेतृत्व और जिला संयोजक सुरेश कन्नौजिया के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने कलश का पूजन किया। इसके बाद ₹जय गुरु रविदास₹ के उद्घोष के बीच यात्रा को रवाना किया गया। जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि गुरु रविदास ने सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा के माध्यम से गुरु रविदास के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही इस वर्ष उनकी जयंती को व्यापक स्तर पर मनाने की तैयारी की जा रही है।जिला संयोजक सुरेश कन्नौजिया ने कहा कि यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और जनजागरण का अभियान भी है। इसका उद्देश्य गुरु रविदास के विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम में विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, राम प्रकाश यादव, ज्ञान सागर सिंह, रमाशंकर सिंह, पूर्व विधायक त्रिवेणी राम, अनीता कमल, विद्यावती राजभर, ब्लॉक प्रमुख आनंद वर्मा, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्र, जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

करप्शन अगेंस्ट इंडिया

2004 से लेकर 2014 तक देश में यूपीए शासन रहा, जिसकी अगुवाई कांग्रेस ने की। इस सरकार पर 2010 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स, कोयला ब्लॉक आबंटन और 2जी स्पेक्ट्रम के आबंटन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार मिटाने के लिए लोकपाल लाने के नाम पर ही लंबा आंदोलन किया। जिसमें भाजपा और मीडिया का पूरा साथ रहा। तब फिल्म जगत के लोगों ने भी डॉ.मनमोहन सिंह का खूब मजाक उड़ाया। तब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख़ टिप्पणी करते हुए उसे पिंजरे का तोता कहा था। कांग्रेस के खिलाफ बने इस माहौल का ही असर था कि 2014 में भाजपा की सरकार बनी और इसके बाद कभी कांग्रेसमुक्त भारत तो कभी विपक्षमुक्त भारत बनाने की कोशिशें हुईं। यह और बात है कि भाजपा की ये कोशिशें नाकाम रहीं, मगर देश के लोकतांत्रिक ढांचे को इसमें जबरदस्त नुकसान हुआ है। ये सारी बातें इस समय करने की जरूरत पड़ रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कोयला ब्लॉक आबंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के ख़िलाफ़ आपराधिक मामले को बंद कर दिया और उन्हें समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने 2014 में दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर साफ कहा था कि मनमोहन सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इसके बावजूद विशेष अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी थी और 2015 में उन्हें आरोपी के रूप में तलब कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब कहा कि विशेष अदालत के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था, इसलिए अदालत ने उस आदेश को रद्द करते हुए मामला गुण-दोष के आधार पर बंद कर दिया। चूंकि 27 दिसंबर 2024 में मनमोहन सिंह का निधन हो चुका था, इसलिए यह फैसला उन्हें मरणोपरांत कानूनी राहत देने वाला माना जा रहा है। डा. सिंह अपने निर्दोष होने के फैसले को सुनने के लिए इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन जनवरी 2014 में अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मनमोहन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा था, 'मैं इस मामले में थोड़ा दुःखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर ज़ोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आबंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं ही था जिसने ज़ोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आबंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भुला दिया गया। इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था। कुछ मौक़ों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया।' उन्होंने कहा था कि 'इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग़ बाहर आएंगे। मनमोहन सिंह ने कहा, 'मैं मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुक़ाबले ज़्यादा उदार होगा। महज 12 साल पहले का ऐसा राजनैतिक माहौल अब सपने जैसा नजर आता है कि प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस किया करते थे, अपने ऊपर और अपनी सरकार पर लगे आरोपों को लेकर जवाब देते थे। अब न तो प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस करते हैं, न मीडिया के लोग उनसे भ्रष्टाचार पर बातें करते हैं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी तो ताजा प्रकरण है, पिछले बारह बरसों में कई और ऐसे प्रकरण हुए, लेकिन हर बार नैरेटिव बदल कर सरकार को जवाबदेही से निकलने का मौका मीडिया देता रहा। फिलहाल नरेन्द्र मोदी तो यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि इतिहास मेरे साथ न्याय करेगा। लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह जानते थे कि सच कभी पराजित नहीं होता, इसलिए उन्होंने पहले ही अपने साथ होने वाले न्याय की बात कह दी थी। दरअसल कोयला ब्लॉक आबंटन में यह आरोप लगाए गए कि सरकार ने निजी कंपनियों को बिना बोली लगाए आबंटन कर दिया, इससे कम से कम 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। यूपीए सरकार में कोयला सचिव रहे पी.सी. पारेख, इस मामले में व्हिसलब्लोअर माने जाते हैं। पारेख ने दावा किया था कि उन्होंने 2004 में ही प्रधानमंत्री को विवेकाधीन आबंटन प्रक्रिया में धोखाधड़ी की संभावना के बारे में लिखित रूप में सूचित किया था और खुली नीलामी की वकालत की थी। आरोप था कि प्रधानमंत्री ने इसे नजरअंदाज कर दिया और उनके कोयला मंत्रालय के कार्यकाल में बिना नीलामी के 142 कोयला ब्लॉक आबंटित कर दिए गए। डॉ. मनमोहन सिंह पर मुख्य आरोप 2005 में ओडिशा के तालाबिरा-ढ्ढ कोयला ब्लॉक को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को आबंटित करने से जुड़ा था। जांच में यह आरोप लगा था कि इस आबंटन को मंजूरी देने से एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। लेकिन लंबी जांच के बाद भी जब कुछ नहीं मिला तो अब न केवल मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है, बल्कि डॉ. सिंह को क्लीन चिट भी मिल गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन : आत्मनिर्भर युवा, विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला

> आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि युवा शक्ति के उज्ज्वल भविष्य का उद्घोष है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह मिशन लाखों युवाओं के सपनों को नई दिशा, नई गति और नई पहचान प्रदान कर रहा है।

युवा केवल किसी राष्ट्र की जनसंख्या का एक वर्ग नहीं, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य की सबसे अमूल्य पूंजी होते हैं। जब उनके हाथों में कौशल, मन में आत्मविश्वास और सामने अवसरों का विस्तृत आकाश होता है, तब विकास का नया इतिहास रचा जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इसी विचार को आधार बनाकर कौशल विकास को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन लाखों युवाओं के सपनों को साकार करने वाला ऐसा सशक्त सेतु बन चुका है, जो उन्हें आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक आजीविका और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रहा है. भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के लिए कौशल विकास केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को अधिक प्रभावी, आधुनिक और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है। आज मिशन लाखों युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ते हुए प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर कर रहा है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का गठन उत्तर प्रदेश कौशल

आत्मनिर्भर युवा : विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला

विकास नीति-2013 के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधीन किया गया। मिशन का उद्देश्य 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को उनकी योग्यता और रुचि के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मिशन के अंतर्गत राज्य स्किल डेवलपमेंट फंड (SSDF), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रोजेक्ट प्रवीण जैसी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रोजेक्ट प्रवीण के माध्यम से विद्यालयों के विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक दक्षता भी विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन ने अभूतपूर्व उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। मिशन की स्थापना से अब तक 18 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है, जबकि 7 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रदेश सरकार कौशल विकास को सीधे रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने में सफल रही है।

रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। अब तक 1,194 बृहद रोजगार मेलों के माध्यम से 4,52,976 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इनमें 8 जनपदों में आयोजित 8 वृहद रोजगार मेलों के माध्यम से 75,575 युवाओं को रोजगार मिला। इसके अतिरिक्त विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) के अवसर पर प्रदेश के 75 जनपदों में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 10,283 युवाओं का सेवायोजन किया गया। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

प्रदेश सरकार ने कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग किया है। प्रशिक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए 'कौशल दर्पण', 'कौशल दिशा', 'कौशल साथी' तथा 'कौशल दोस्त' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन, प्रशिक्षण, निगरानी, मूल्यांकन तथा रोजगार संबंधी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षणार्थियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग से पूरी व्यवस्था अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है।

उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरंतर सुधार किया है। नई तकनीकों, डिजिटल स्किल, ग्रीन एनर्जी, स्वास्थ्य सेवाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 82 नए प्राइवेट ट्रेनिंग पार्टनर (PTPs) को मिशन से संबद्ध किया गया है। इससे युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध हो रहा है।

राज्य सरकार ने उद्योग और कौशल विकास के बीच मजबूत समन्वय स्थापित किया है। प्रदेश की 53 बड़ी औद्योगिक कंपनियों के साथ मिशन के समझौते किए गए हैं, जिससे प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह पहल 'स्किल टू एम्प्लॉयमेंट' मॉडल को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए मिशन ने प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ भी साझेदारी की है। उच्च तकनीकी प्रशिक्षण हेतु IIT कानपुर, MNNIT प्रयागराज, IIT BHU, NIESBUD तथा भारतेन्दु नाट्य अकादमी जैसे संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया गया है। वहीं सॉफ्ट स्किल, वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता विकास के लिए 7 संस्थानों के साथ एमओयू किए गए हैं। इससे युवाओं को तकनीकी ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास और उद्यमिता का प्रशिक्षण भी प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 के माध्यम से 1,182 दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

आदर अदीब पावेल बन्धु
(जिला सूचना अधिकारी)

पाकिस्तान अधिकृत ...

ललित गर्ग

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव

पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतर-राष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं।

किताब पढ़े बिना...

सुशांत

किताब और नई पीढ़ी

किताबें घर की सबसे सम्मानित सदस्य हुआ करती थीं। उन पर धूल जम जाए तो अपराधबोध होता था, आज धूल हट जाए तो आश्चर्य होता है। पहले बच्चे किताबों में भविष्य खोजते थे, अब मोबाइल में शॉर्ट्स और रील्स में सफलता का शॉर्टकट।

नई पीढ़ी का किताबों से रिश्ता बिल्कुल वैसा हो गया है जैसा नेताओं का चुनावी वादों से—ज़रूरत पड़ने पर याद कर लिया, फिर पाँच साल तक कोई खबर नहीं।

आज की पीढ़ी को यदि 300 पृष्ठों की किताब दे दी जाए तो पहला प्रश्न होता है—इसका सारांश है क्या? और यदि सारांश भी पाँच पन्नों का हो तो अगला सवाल—इसका भी एक मिनट का वीडियो मिल जाएगा?

किताब बेचैन है। वह सोचती है कि कभी लोग मुझे पढ़ने के लिए रात-रात भर जागते थे, अब मैं अलमारी में जागती रहती हूँ और लोग मोबाइल लेकर सो जाते हैं। ज्ञान अब मेहनत से नहीं, कॉपी-पेस्ट से प्राप्त होने लगा है। शोध का अर्थ पुस्तकालय में बैठना नहीं, बल्कि इंटरनेट पर सबसे ऊपर दिखाई देने वाली पंक्ति को अपना विचार घोषित कर देना है। उद्धरण भी ऐसे दिए जाते हैं कि लेखक का नाम भूल जाएँ, लेकिन इमोजी लगाना न भूलें। नई पीढ़ी का आत्मविश्वास भी अद्भुत है। किताब पढ़े बिना ही हर विषय पर विशेषज्ञता का दावा कर देती है। इतिहास दो मिनट में समझा देती है, अर्थशास्त्र तीन मिनट में और दर्शनशास्त्र तो एक प्रेरणादायक पोस्ट पढ़कर ही आत्मसात कर लेती है।

लेकिन दोष केवल नई पीढ़ी का भी नहीं है। हमने ही उन्हें यह सिखाया कि अंक ज्ञान से बड़े हैं, प्रमाणपत्र पुस्तकों से बड़े हैं और वायरल होना विद्वान होने से अधिक महत्वपूर्ण है। ऐसे में किताबें भला किससे शिकायत करें?

फिर भी किताबें आशावादी हैं। उन्हें विश्वास है कि एक दिन स्क्रीन की चकाचौंध से थकी आँखें फिर किसी पुस्तक के पन्नों पर सुकून खोजेंगी। क्योंकि मोबाइल सूचना दे सकता है, पर किताब विचार देती है; इंटरनेट उत्तर दे सकता है, पर किताब प्रश्न पूछना सिखाती है। इसलिए, यदि कभी घर की अलमारी से कोई किताब आपको मुस्कराती हुई दिखाई दे, तो समझ लीजिए वह कह रही है—बेटा, कभी मुझे भी 'स्वाइप' करके देख लो; शायद तुम्हारा जीवन 'स्क्रॉल' होने से बच जाए।

जरा हटके

यह विवाद उस ...

अशोक भाटिया

पंजाब कांग्रेस का घमासान और चुनावी समीकरण

पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी घमासान खुली बगावत और शक्ति-प्रदर्शन का मैदान बन चुका है। आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी के भीतर मचे इस घमासान ने केंद्रीय आलाकमान की चिंताओं को बढ़ा दिया है। पंजाब कांग्रेस प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में संगरूर और पटियाला में हुई हालिया हिंसक झड़पें, नारेबाजी और हाथापाई ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी के भीतर दरारें बहुत गहरी हो चुकी हैं। यह आलेख पंजाब कांग्रेस के इस मौजूदा संकट, इसके मुख्य चेहरों, विपक्षी दलों के रुख, भूपेश बघेल की रिपोर्ट और आगामी चुनावी समीकरणों पर इसके असर का विस्तृत विश्लेषण करता है। पंजाब में कांग्रेस का यह संकट नया नहीं है, लेकिन हालिया सांगठनिक फेरबदल के बाद इसने तीव्र रूप अख्तियार कर लिया है। पार्टी के भीतर मुख्य मुकाबला दो धड़ों के बीच है। एक तरफ अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग (प्रदेश अध्यक्ष) का गुट है, जिन्हें दिल्ली आलाकमान का खुला समर्थन हासिल है। दूसरी तरफ चरणजीत सिंह चन्नी (पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद) का गुट है, जो वर्तमान नेतृत्व को हटाने और चन्नी को कमान सौंपने की मांग पर अड़ा है। यह विवाद उस समय पूरी तरह सार्वजनिक हो गया जब पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल राज्य के संगठनात्मक दौरे पर आए थे। पटियाला और संगरूर की बैठकों में जैसे ही राजा वड़िंग ने बोलना शुरू किया, चन्नी समर्थकों ने चन्नी लाओ, पंजाब बचाओर के नारे लगाने शुरू कर दिए। बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि दोनों गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए, धक्का-मुक्की हुई और प्रभारी मूकदर्शक बनकर देखते रह गए। इस घमासान के पीछे केवल व्यक्तिगत वर्चस्व की लड़ाई नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक आयाम भी हैं। चन्नी खेमे का आरोप है कि राजा वड़िंग की कार्यशैली तानाशाही पूर्ण है और वे पुराने वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर रहे हैं। आलाकमान द्वारा वरिष्ठ नेता मदन लाल जलालपुर को निलंबित किए जाने के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने सीधे उनके घर जाकर मुलाकात की। यह कदम सीधे तौर पर प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग को एक

खुली राजनीतिक चुनौती थी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भी जंग जारी है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चन्नी गुट चाहता है कि पार्टी अभी से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे, जबकि भूपेश बघेल ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव से पहले चेहरा घोषित नहीं किया जाएगा और पार्टी सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। राजा वड़िंग द्वारा दिए गए कुछ बयानों (जैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के रंग पर की गई टिप्पणी) ने भी आग में घी का काम किया, जिसके लिए बाद में उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी। कांग्रेस का इतिहास लगभग आठ दशकों से आंतरिक गुटबाजी का रहा है। 2021 में कैप्टन अमरिंदर सिंह बनाम नवजोत सिंह सिद्धू विवाद को पूरी दुनिया ने देखा था, जिसके कारण 2022 के चुनावों में कांग्रेस मात्र 18 सीटों पर सिमट गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार स्थिति और भी ज्यादा गंभीर है। पिछली बार जब विवाद हुआ था तब कांग्रेस सत्ता में थी, तो मुख्यमंत्री की कुर्सी दांव पर लगी थी। इस बार पार्टी विपक्ष में है और लड़ाई इस बात की चल रही है कि पार्टी के पुनरुद्धार का श्रेय किसे मिले। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्रीय नेतृत्व राजा वड़िंग को हटाकर राष्ट्रीय स्तर पर एक और गलत संदेश नहीं देना चाहता, क्योंकि इससे बगावत की एक नई परंपरा शुरू हो सकती है। पंजाब कांग्रेस के इस खुले ड्रामे पर भारतीय जनता पार्टी ने बेहद आक्रामक और रणनीतिक रुख अपनाया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब कांग्रेस के इस संकट पर तीखा कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि यह लड़ाई पंजाब के भविष्य की नहीं, बल्कि केवल और केवल कुर्सी की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस की इस अंतर्कलह को लेकर राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' के नारे पर निशाना साधा और दावा किया कि जो पार्टी अपने नेताओं को नहीं संभाल सकती, वह राज्य क्या संभालेगी। इसके साथ ही, पंजाब भाजपा प्रवक्ता सरचंद सिंह ने आरोप लगाया कि राजा वड़िंग के कुछ बयान सिख अस्मिता और पगड़ी का अपमान हैं। भाजपा खुद को राज्य में एकमात्र स्थिर और अनुशासित विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के लिए कांग्रेस का यह संकट एक बड़ी राजनीतिक ढाल बनकर उभरा है। वर्तमान मुख्यमंत्री और 'आप' के नेता इस कलह का इस्तेमाल अपनी प्रशासनिक नाकामियों (जैसे कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की धीमी गति) से जनता का ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं। 'आप' प्रवक्ताओं का तर्क है कि कांग्रेस कभी भी पंजाब की भलाई नहीं सोच सकती क्योंकि उसके नेता केवल अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में लगे हैं। वे जनता के सामने यह नैरेटिव सेट कर रहे हैं कि विपक्ष पूरी तरह बिखर चुका है, इसलिए राज्य में केवल आम आदमी पार्टी ही स्थिर सरकार दे सकती है। दूसरी तरफ, शिरोमणि अकाली दल (SAD), जो इस समय पंजाब की राजनीति में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, कांग्रेस के इस संकट को बेहद बारीकी से देख रहा है। अकाली दल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही गुटबाजी है जिसने पहले पंजाब को बर्बाद किया और आज भी कांग्रेस के पास पंजाब के किसानों, युवाओं और सिखों के मुद्दों के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। अकाली दल इस कलह के जरिए कांग्रेस के पारंपरिक सिख और ग्रामीण वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने जिस तरह की अनुशासनहीनता और धक्का-मुक्की हुई, उसने आलाकमान को बेहद कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

राजभर के बार-बार तंज कसने पर दिया जवाब, बोले- भाजपा किसी की सगी नहीं

हमारे ओमप्रकाश उनके ओमप्रकाश से मिल आए : अखिलेश यादव

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को लखनऊ में भाजपा सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर पलटवार किया। सपा नेता ओम प्रकाश सिंह और राजभर की दिल्ली में हुई हालिया मुलाकात पर तंज भरे अंदाज में कहा- हमारे ओमप्रकाश उनके ओमप्रकाश से मिल आए हैं। अब निगेटिव-निगेटिव मिला या पॉजिटिव, यह तो भगवान ही जाने। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब अखिलेश से सवाल किया गया कि कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पंचायत चुनावों को लेकर लगातार

कह रहे हैं कि उनकी तैयारी पूरी है, लेकिन सरकार पीछे हट रही है, इस पर उन्होंने कहा- भाजपा किसी की सगी नहीं है। जो लोग भी आज उनके साथ गए हैं, उन्हें बहुत जल्द इस सच्चाई का अहसास हो जाएगा। दरअसल, पिछले कुछ समय से ओपी राजभर लगातार अखिलेश यादव पर हमलावर रहे हैं। इसी बीच, सपा नेता और राजभर की मुलाकात की तस्वीर सामने आई।

- अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिक्षा, किसान, रोजगार, पेपर लीक और एक्सप्रेस-वे में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा।

चढ़ावा चोरी हुआ, जौहर विश्वविद्यालय पर मंशा ठीक नहीं

सपा मुखिया ने ई-20 पर कहा कि अगर इससे माइलेज बढ़ता है तो कंपनियों को विज्ञापन देना चाहिए।

मंदिर में चढ़ावा चोरी हो रहा है। जौहर विश्वविद्यालय को लेकर पहले दिन से उनकी नीयत और मंशा ठीक नहीं रही है। ये नहीं चाहते कि लोग पढ़ें।

ये यूनिविर्सटी तो बना नहीं पाए, लेकिन उस पर हथौड़ा चलाना चाहते हैं।

10 साल में 26 हजार स्कूल बंद हुए, आरक्षित पद चोरी हो गए

अखिलेश ने कहा- भाजपा के शासनकाल में 10 साल में 26 हजार स्कूल बंद हुए। 20 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। 12,000 से अधिक पिछड़े- दलितों के आरक्षण वाले पद चोरी हो गए। जब से हम लोगों ने डेटा देखना शुरू किया, सरकारी वेबसाइट को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा- विश्वगुरु बनाने का जो दावा करते हैं, उनकी हकीकत यह है कि 7 हजार स्कूलों में बिजली नहीं है। 2 हजार में लड़कियों के लिए फंक्शनल टॉयलेट नहीं हैं। 500 स्कूल में पानी का इंतजाम नहीं है। 23 हजार स्कूलों में कंप्यूटर नहीं है।

> अखिलेश ने कहा- सपा से जेन-जी और अल्फा जेनरेशन बड़ी संख्या में जुड़ रही है। युवाओं की बात सुनना जिम्मेदारी है। जो कहते थे कि बेटी बचाओ, उन्होंने बेटियों के साथ क्या किया।

मार्केट के पब्लिक टॉयलेट में ताला लगने पर जोरदार प्रदर्शन

व्यापारी बोले- महिलाओं को हो रही परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मलिक टिंबर, जनता मार्केट में व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे जोरदार प्रदर्शन किया। नगर निगम के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। स्थानीय पार्षद संजय राठौर पर मार्केट के पब्लिक टॉयलेट पर ताला बंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मार्केट में कई महिलाएं नौकरी करने और सामान खरीदने के लिए आती हैं। टॉयलेट बंद होने के कारण उन्हें परेशानी होती है। कई बार नगर निगम में शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मजबूरन दुकानों को बंद कर नगर निगम मुख्यालय के बाहर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। व्यापारी सत्य नारायण तिवारी ने बताया कि बीते दो महीने से सार्वजनिक शौचालय पर ताला जड़ा है। ताला जड़े होने से मजबूरन व्यापारी टॉयलेट के लिए सड़क किनारे जा रहे हैं। महिला कर्मचारी मार्केट के आसपास दूसरों के घरों में जा रही हैं। व्यापारी अनुज कुमार का कहना है कि शौचालय खोले जाने को लेकर नगर आयुक्त से लेकर स्थानीय पार्षद तक से शिकायत कर चुके हैं। समस्या का समाधान नहीं हुआ। ऐसे में मार्केट के व्यापारी काफी परेशान हैं। व्यापारी रमेश सिंह ने बताया कि मार्केट के बाहर एलडीए द्वारा दुकानदारों और ग्राहकों के लिए पार्किंग की बनाई गई थी। पार्किंग में नगर निगम ने वेंडिंग जोन बना दिया।

फास्ट न्यूज

'40 लाख कह रहे थे, 15 लाख में आ गए'

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी और इंजीनियर जिस कारोबारी से 7.50 लाख की घूस लेते पकड़े गए, उससे 40 लाख में डील हुई थी। कारोबारी ने संवाददाता से बताया- मेरा कॉम्प्लेक्स बनने के बाद किसी ने IGRS पर शिकायत की। उसके बाद मेरे ऊपर अधिकारियों का दबाव आने लगा। वहां से फोन कर-करके बोला जाने लगा कि 40 लाख दो तो शिकायत को बंद कर देंगे।

आरपीएफ क्राइम ब्रांच ने पकड़ी हेरोइन

लखनऊ। चारबाग जंक्शन से RPF क्राइम ब्रांच की टीम ने 30 लाख रुपए हेरोइन बरामद की है। इसकी तस्करी करते पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसे लखनऊ से ट्रेन के माध्यम से बेंगलुरु ले जाकर खपाने की साजिश थी। इनपुट के बाद आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर शनिवार को एक्शन लिया। प्लेटफार्म नंबर-2 पर हुई चेकिंग के दौरान आरोपी पकड़ा गया। उसके पास से 137 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी गुरमेज सिंह पीलीभीत का रहने वाला है।

बांदा कालिंजर किला के लिए निकले 60 बाइकर्स

लखनऊ। लखनऊ से बांदा के कालिंजर किला जाने के लिए 60 बाइकर्स रवाना किए गए। इन्हें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फ्लैगऑफ कर रवाना किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि यूपी में एडवेंचर टूरिज्म बढ़ाएंगे। हालांकि, मंत्री ने अपने बयान में कालिंजर किले को महोबा जिले में होना बताया, जबकि किला बांदा में है। मंत्री ने रविवार सुबह 8 बजे राजधानी के 1090 (वीमेन पावर लाइन) चौराहे से द राइडिंग चैप्टर विजिट माई स्टेट का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने विधानभवन में अनेक कार्यों का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने विधानभवन में अनेक कार्यों का किया शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक से पहले रविवार को विधान भवन में अनेक विकास व सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद मंडप के सौंदर्यीकरण कार्य, विधान भवन भूतल स्थित नवीनीकृत कॉरिडोर का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात विधानसभा के नवनिर्मित पॉडकास्ट स्टूडियो समेत अनेक कार्यों का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर जैसे बने मॉडल के भीतर बैठकर उत्तर प्रदेश के इतिहास व विरासत को संजोती धार्मिक तस्वीरों को देखा। यूपी की आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य आदि की झलक भी देखी। उन्होंने पॉडकास्ट स्टूडियो का अवलोकन किया।

सदन के भीतर जाकर भी वहां की व्यवस्थाओं आदि का भी जायजा लिया। इसके पहले विधानसभा पहुंचने पर अध्यक्ष सतीश महाना ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, ओमप्रकाश राजभर, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह आदि मौजूद रहे।

बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे, अब कभी वापस नहीं लेंगे

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

इससे भड़ककर रविवार को मायावती ने 'एक्स' पर लिखा- बार-बार चेतावनी के बावजूद अशोक सिद्धार्थ के रवैये में कोई सुधार नहीं आया। इस वजह से उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली गई थीं। बावजूद इसके उन्होंने यूपी लौटने की खबरें फैलाकर कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने की साजिश रची। इसीलिए अब उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा- अशोक बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे। मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला है। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर

भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी। अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी।

रामजी गौतम का कद बढ़ाया, कार्यकर्ताओं को सावधान रहने को कहा

- मायावती ने अशोक सिद्धार्थ और रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निकालने के बाद राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को फिर से पंजाब का प्रभारी बना दिया। वे आगामी पंजाब विधानसभा और लोकसभा चुनाव तक इस पद पर बने रहेंगे।
- मध्य प्रदेश के प्रभारी राजाराम को दिल्ली, केरल, गुजरात और कर्नाटक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।
- मायावती ने साफ किया कि यूपी के रहने वाले ऐसे पार्टी पदाधिकारी या कोऑर्डिनेटर, जो राज्य के बाहर अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, उन्हें यूपी में पार्टी की कोई भी जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी।
- अशोक सिद्धार्थ के करीबी और तीन राज्यों में उनके सह प्रभारी नितिन सिंह से भी केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु में पार्टी की जिम्मेदारी वापस ले ली है।
- कार्यकर्ताओं से मायावती ने अपील की है- शरारती और साजिश रचने वालों से सावधान रहें। ऐसे लोग पूर्ण बहुमत की बसपा सरकार बनाने के अभियान को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।

सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग अपेक्षित : सतीश महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने सोमवार से प्रारंभ हो रहे 18वीं विधानसभा के वर्ष 2026 के तृतीय सत्र के सफल, गरिमापूर्ण एवं सुचारू संचालन के लिए सभी राजनीतिक दलों से सकारात्मक सहयोग का अनुरोध किया है। रविवार को विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि सदन लोकतांत्रिक विमर्श का सर्वोच्च मंच है। सभी दलों के सहयोग से सदन की कार्यवाही निर्बाध रूप से संचालित होने से सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सदस्यों को अपनी बात रखते समय लोकतांत्रिक मूल्यों एवं विधानसभा के नियमों के अनुरूप संयमित, मर्यादित एवं गरिमापूर्ण भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित हो सके। श्री महाना ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान

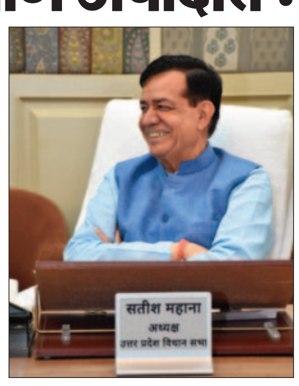

सभी दलों के सहयोग से विधानसभा की कार्यवाही सफलतापूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होती रही है। उन्हें विश्वास है कि इस बार भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के सहयोग से सदन की कार्यवाही उसी गरिमा, सौहार्द एवं सकारात्मक वातावरण में संचालित होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वस्थ संसदीय परंपराओं का निर्वहन करते हुए पक्ष और विपक्ष, दोनों की समान भागीदारी लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी सदस्य जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करते हुए सदन की गरिमा बनाए रखेंगे। चार दिवसीय इस विधानमंडल सत्र के दौरान अनेक महत्वपूर्ण विधायी एवं वित्तीय कार्य संपन्न किए जाएंगे। साथ ही, इस सत्र में पहली बार सदन में 'वन्दे मातरम्' का पूर्ण गायन किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सदन का सुचारू संचालन सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के सहयोग से ही संभव है। सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय, अपना दल (सोनेलाल) के श्री राम निवास वर्मा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', राष्ट्रीय लोकदल के श्री राजपाल सिंह बालियान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के श्री ओम प्रकाश राजभर, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के श्री रमेश सिंह, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया।

योगी सरकार की नीतियों का असर

51 हजार मीट्रिक टन उत्पादन के साथ यूपी बना नंबर-1

- देश के कुल मशरूम उत्पादन में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी, किसानों की आय बढ़ाने में मिली बड़ी सफलता
- सरकारी योजनाओं और अनुदान से किसान बन रहे आत्मनिर्भर, महिलाओं को भी मिल रहा स्वरोजगार
- बागवानी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश लगातार स्थापित कर रहा नए कीर्तिमान : दिनेश प्रताप सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने बागवानी क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री श्री योगी

आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने वर्ष 2024-25 में 51 हजार मीट्रिक टन मशरूम का उत्पादन कर राष्ट्रीय स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल 4.27 लाख मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन में उत्तर प्रदेश की लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह उपलब्धि किसानों की मेहनत, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वैल्यू एडेड फसलों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। मशरूम उत्पादन इसी दिशा में एक सफल पहल के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की उपज का संरक्षण, मूल्य संवर्धन तथा बेहतर विपणन सुनिश्चित करना है, जिससे उन्हें उनकी उपज का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) के अंतर्गत 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। कम भूमि, कम लागत और मात्र तीन से चार सप्ताह में तैयार होने वाली यह फसल किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उद्यान मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मशरूम उत्पादन, कंपोस्ट मेकिंग एवं स्पान मेकिंग की लगभग 30 इकाइयों को 40 प्रतिशत अनुदान पर स्वीकृत किया गया है। वहीं 200 वर्ग फुट की छप्पर विधि पर आधारित मशरूम इकाइयों के लिए 50 प्रतिशत (अधिकतम 1 लाख रुपये) अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके तहत लगभग 80 इकाइयों की स्थापना की गई है। विभाग द्वारा एक लाभार्थी को अधिकतम पांच इकाइयों तक अनुदान का लाभ दिया जा रहा है।

वारदात : पीड़िता का आरोप- थाने बुलाकर कहा- 'मुझसे संबंध बना लो, मेडिकल सही आएगा'

बीएड छात्रा से यौन-शोषण के आरोपी एसएसआई सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बीएड की छात्रा से शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोपी आशियाना थाने के SSI धर्मवीर शाही को सस्पेंड कर दिया गया है। युवती का आरोप है कि दरोगा ने उसे थाने बुलाकर कहा- तुम्हारा रेप केस पुराना हो गया है। अगर एक बार मुझसे संबंध बना लो तो मेडिकल सही आएगा। पीड़िता का आरोप है कि दरोगा ने थाने में अपने कमरे में बुलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद केस मजबूत कराने और शादी का झांसा देकर कई बार उसका यौन शोषण किया। मामला आशियाना थाने का है। दरअसल, पीड़िता ने बस्ती निवासी अभिषेक सिंह पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले की विवेचना

> पीड़िता ने आरोप लगाया कि धर्मवीर शाही ने कहा, "तुम्हारा केस काफी पुराना हो गया है। इसे मौजूदा घटना से जोड़ने के लिए दोबारा शारीरिक संबंध बनाने होंगे।" जब उसने विरोध किया तो दरोगा ने शादी का भरोसा दिया। कहा कि अगर वह उसके साथ संबंध रखेगी तो वह जिंदगीभर उसका साथ देगा, पत्नी का दर्जा देगा और शादी करेगा। पीड़िता का आरोप है कि शादी के इसी झांसे में लेकर मार्च से अब तक उसका यौन शोषण किया गया।

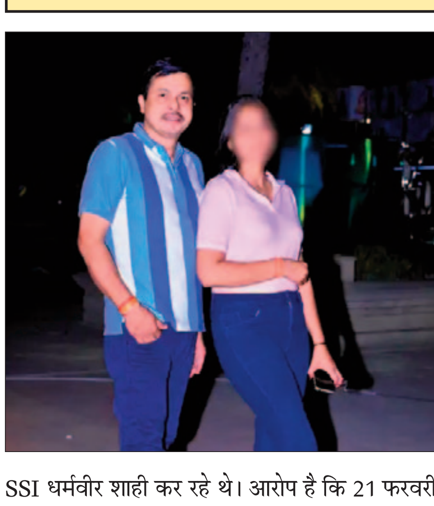

SSI धर्मवीर शाही कर रहे थे। आरोप है कि 21 फरवरी को उन्होंने पीड़िता को आशियाना थाने बुलाया। इसके बाद दोनों कई बार मिले। जब छात्रा ने शादी का दबाव बनाया तो 30 जुलाई की रात आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद युवती ने पुलिस कमिश्नर और डीसीपी सेंट्रल से शिकायत की। जांच के बाद आरोपी SSI धर्मवीर शाही के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। बातचीत में पीड़िता ने बताया कि उसने बीएड किया है। पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात बस्ती के शंखपुर निवासी अभिषेक सिंह से हुई। अभिषेक ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। इसके बाद उसने अभिषेक के खिलाफ बस्ती में मुकदमा दर्ज कराया। मामला जीरो FIR के तहत लखनऊ के आशियाना थाने ट्रांसफर किया गया। पीड़िता ने बताया कि जांच के दौरान घटनास्थल पीजीआई थाना

क्षेत्र का मिलने पर केस वहां ट्रांसफर कर दिया गया। आरोप है कि इसके बावजूद आशियाना थाने में तैनात विवेचक SSI धर्मवीर शाही ने यह जानकारी छिपाकर 21 फरवरी को उसे पूछताछ के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि केस की पूरी विवेचना वही करेंगे। इसके बाद वह जांच के नाम पर लगातार फोन करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि बातचीत के दौरान वह अश्लील बातें भी करने लगे।

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

- सीएम की सभी राजनीतिक दलों से अपील, प्रदेश के विकास के लिए करें स्वस्थ चर्चा
- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक, 3 अगस्त (सोमवार) से प्रारंभ होगा विधानसभा का मानसून सत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त (सोमवार) से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि को जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों को सदन में गंभीरता से उठाना चाहिए। सीएम ने सभी सदस्यों से अपील की कि सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिलना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आरके पटेल तथा राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत' का संकल्प, 250 से अधिक युवाओं ने बनाई मानव श्रृंखला

एमआईटी में गूंजा नशा मुक्त युवा

अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्तशासी निकाय माय भारत के तत्वावधान में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) परिसर में रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए देश को विकसित भारत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान 250 से अधिक युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ जनजागरूकता का संदेश दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संबोधन का लाइव प्रसारण भी देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बागपत लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, एमआईटी के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. संजय माथुर तथा अजय चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। माय भारत के प्रोग्राम सुपरवाइजर नरेंद्र त्यागी ने उपस्थित युवाओं को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत युवा हैं और उनकी जागरूकता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने युवाओं से अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि नशे की लत केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। अनेक युवा नशे के कारण अपने सपनों और उज्ज्वल भविष्य से दूर हो जाते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल, कौशल विकास, नवाचार और राष्ट्र सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर युवा नशामुक्ति अभियान का संदेशवाहक बने। एमआईटी के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान ने संस्थान में गठित नशा मुक्ति क्लब का उद्घाटन किया और क्लब के सदस्यों को संस्थान का नशा मुक्ति ब्रांड एंबेसडर घोषित किया।

250 से अधिक युवाओं ने बनाई मानव श्रृंखला

कार्यक्रम के दौरान 250 से अधिक युवाओं ने एमआईटी परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर युवाओं ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा–समृद्ध भारत और नशामुक्त भारत, विकसित भारतऱ जैसे नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। इस अभियान में छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

66 अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन सुना

आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि देश का युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएगा तो विकसित भारत का लक्ष्य शीघ्र ही प्राप्त किया जा सकेगा।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर फिल्मी अंदाज में पुलिस को चकमा

500 मीटर बैक गियर में दौड़ाई चोरी की कार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को कार चोरी के एक आरोपी ने पुलिस को फिल्मी अंदाज में चकमा देकर सनसनी फैला दी। लंबे समय से पुलिस की निगरानी में चल रहा आरोपी घेराबंदी के दौरान पहले करीब 500 मीटर तक चोरी की कार को बैक गियर में रॉन्ग साइड दौड़ाता रहा। इसके बाद अचानक कार को घुमाकर तेज रफ्तार में आगरा की ओर भाग निकला। करीब सात किलोमीटर तक पुलिस ने उसका पीछा किया। आखिरकार कार के टायर में गोली लगने के बाद आरोपी ने वाहन छोड़ दिया और अपने साथी के साथ खेतों के रास्ते फरार हो गया। कार से उसकी महिला मित्र को बरामद किया गया, जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार करीब एक महीने पहले थाना

लोहामंडी के जयपुर हाउस और थाना कमला नगर क्षेत्र से कई लग्जरी कारें चोरी हुई थीं। इनमें जयपुर हाउस निवासी अर्पित बंसल की होंडा डब्ल्यूआर-वी कार भी शामिल थी, जो 29 जून को उनके घर के बाहर से चोरी हो गई थी। लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस ने विशेष टीम गठित की थी। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि हरदोई निवासी वाहन चोर अभिषेक वाजपेयी चोरी की कार लेकर मथुरा के रास्ते लखनऊ की ओर जा रहा है।

फास्ट न्यूज

डीपीएस के छात्र ने सुसाइड किया

कानपुर। कानपुर में 10वीं के स्टूडेंट ने पढ़ाई के टेंशन में सुसाइड कर लिया। जब मां बेटे को बुलाने कमरे में पहुंची तो उसके होश उड़ गए। चीखपुकार सुन परिजन कमरे में गए और शव को फंदे से उतार कर रिजेंसी हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल कर शव को रविवार को सुबह पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

24 लाख की चांदी पर राजस्थान के कारीगर का दावा

कानपुर। कानपुर में मंदिर के बाहर मिले 10 किलोग्राम चांदी पर राजस्थान के कारीगर ने दावा किया है। कारीगर ने अपने अधिवक्ता के जरिए अपनी बात रखी है। हालांकि पुलिस ने वैरिफिकेशन के लिए चांदी कारीगर से दस्तावेज मांगे हैं। अब कारीगर कल यानी सोमवार को दस्तावेज लेकर पहुंचेंगे फीलखाना थाने से 20 मीटर दूरी की दूरी पर स्थित गीता मंदिर के चबूतरे पर लावारिस हालत में एक बैग व दो कार्टून रखे मिले थे। इलाके में रहने वाले बुजुर्ग रिक्शा चालक शफीक ने लावारिस बैग की जानकारी पुलिस को दी।

मिनी बस की टक्कर से सुपरवाइजर की मौत

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मिनी बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल स्कूटी सवार बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया था, जहां से हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल रेफर किया गया था। चार दिन तक चले उपचार के बाद शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। महाराजपुर थाना क्षेत्र के छतमरा गांव निवासी नीरज मिश्रा (59) एक निजी फर्म में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।

एक घायल, फायर टीम ने गाड़ी काटकर निकाला शव, हरदोई से आजमगढ़ जा रही थी गाड़ी

सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पिकअप पलटी, ड्राइवर की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दवाओं से लदी पिकअप पलट गई। हादसा सुबह करीब नौ बजे किमी 178.1 के पास हुआ, जब पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका सहयात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, हरदोई जिले के संडीला से खेती-किसानी में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों से लदी पिकअप आजमगढ़ जा रही थी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अखंडनगर क्षेत्र में पीछे से आए अज्ञात वाहन ने पिकअप में टक्कर मार दी। दुर्घटना

के बाद वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका केबिन पूरी तरह दब गया, जिससे चालक और सहयात्री उसमें फंस गए। हादसे में चालक सरफुद्दीन (35) निवासी थाना महोली, जनपद सीतापुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सहयात्री सलमान अली गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और कादीपुर फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया और घायल को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है।

फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए पलटी हुई पिकअप के केबिन को काटकर दोनों लोगों को बाहर निकाला। इस अभियान में फायरकर्मी यशवंत यादव, राम आधार पटेल और विकास यादव ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे मृतक और घायल को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान कुछ समय के लिए एक्सप्रेस-वे पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुटी हुई है। क्षेत्राधिकारी कादीपुर विनय कुमार ने बताया कि हरदोई के संडीला से आजमगढ़ जा रही पिकअप को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन-178 के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी।

बस में एजेंट से 650 ग्राम सोना चोरी का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बस में सवार एक एजेंट से 650 ग्राम सोना चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी गया पूरा 650 ग्राम सोना (पीली धातु), घटना में प्रयुक्त एक कार, एक बाइक और चार मोबाइल भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 24 जुलाई को हुई इस चोरी के मामले में थाना हाईवे पर मुकदमा दर्ज किया गया था। रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे बाकलपुर बंबा क्षेत्र से अभिषेक, संदीप सिंह, विष्णु सिंह और उपेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया। बरामदगी में 650 ग्राम सोना, चार

मोबाइल, यूपी नंबर की एक मोटरसाइकिल और राजस्थान नंबर की एक ओरा कार शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को थाना हाईवे पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया।

सोनई मॉडल इंटर कॉलेज के नए प्रधानाचार्य बने डॉ. अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनई (मथुरा)। माध्यमिक शिक्षा विभाग में पीईएस कैडर में पदोन्नति के बाद डॉ. अखिलेश यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में प्रधानाचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विद्यालय को शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और नवाचार का आदर्श केंद्र बनाना है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम, डिजिटल एवं कौशल आधारित शिक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देने की बात कही। समारोह में प्रधानाचार्य बृजेश

कुमार, भवानी शंकर, जुगल किशोर, जनार्दन राजभर, बृजेश अग्निहोत्री, उमेश कुमार, योगेंद्र सिंह, दीप्ति वार्ष्णेय, पूनम सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा। वहीं श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा एवं स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने भी डॉ. यादव को शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि डॉ. अखिलेश यादव जनपद मथुरा में स्काउट कमिश्नर, बलदेव ब्लॉक के नोडल अधिकारी तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के ब्लॉक प्रभारी के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

अलीगढ़ में प्रोफेसर और छात्र प्रोग्राम में हुए शामिल, पीएम मोदी का वर्चुअल भाषण सुना

एएमयू में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कैनेडी ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए नशा मुक्ति की शपथ ली और प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को

हासिल करने के लिए युवाओं का स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है और यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहेंगे तो देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। प्रोफेसर मोहसिन खान ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना और सकारात्मक बदलाव लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं ने भी नशा मुक्त भारत अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान को केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का जनआंदोलन बताया। छात्रों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में युवाओं से अपील की गई कि वे नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और स्वस्थ, सुरक्षित तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

प्रो. मोहसिन खान ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए शिक्षण संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर नशामुक्त वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

इंडोनेशिया में फेरी...

आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के दौरान के कुछ विजुअल्स सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें यात्री जलती हुई फेरी के अगले हिस्से की तरफ भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना के सामने आए वीडियो में आग फैलने के बाद कई लोग घबराए हुए थे। रॉयटर्स के मुताबिक, बचाव दल आसपास के समुद्री इलाके में लापता लोगों की तलाश कर रहा है। सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक हादसे के बाद कई बचाव बोट्स और अन्य संसाधनों को मौके पर भेजा गया। राहत दल समुद्र में सर्च ऑपरेशन चला रहा है ताकि लापता लोगों का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है और मृतकों या लापता लोगों की संख्या में बदलाव हो सकता है। जुलाई 2025 में नॉर्थ सुलावेसी प्रांत के पास 'केएम बार्सिलोना 5' नाम की फेरी बोट में आग लग गई थी। उस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 150 लोगों को बचाया गया था। फेरी में करीब 280 लोग सवार थे। मई 2021 में 'केएम कार्य इंदाह' नाम की फेरी टरनेटे से रवाना होने के कुछ देर बाद आग की चपेट में आ गई थी। उस दौरान यात्रियों और क्रू को जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगानी पड़ी थी। स्थानीय मछुआरों और बचाव एजेंसियों की मदद से 181 यात्रियों, जिनमें 22 बच्चे भी शामिल थे, और 14 क्रू मेंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया था। उस हादसे में कोई मौत नहीं हुई थी। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा द्वीपीय देश है, जहां 17 हजार से ज्यादा द्वीप हैं। इसलिए एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक आने-जाने के लिए फेरी सेवा लोगों की रोजमर्रा की जरूरत है। हर दिन बड़ी संख्या में यात्री और सामान ढोने वाली फेरी समुद्र में चलती हैं। हालांकि, कई जहाज पुराने होने, समय पर रखरखाव न होने और कई मामलों में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को बैठाने की वजह से जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा, खराब मौसम, ऊंची लहरें और तेज समुद्री धाराएं भी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन और नियमित निगरानी नहीं होने के कारण भी इंडोनेशिया में फेरी हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं।

पप्पू यादव की ...

हम अपनी लड़ाई में बच्चों को शामिल नहीं करते। हमें ऐसे कमजोर संस्कार नहीं मिले हैं। मानसून सत्र के 10वें दिन पप्पू यादव भगवा चोला पहनकर साधु के वेश में दानपेटी लेकर संसद भवन पहुंचे थे। संसद परिसर में राममंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में एक शॉर्ट प्ले किया गया था। पुजारी बनकर आए पप्पू यादव ने जमीन पर बैठे थे। इसके बाद राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने उन्हें चंदा दिया। दान के पैसे पप्पू यादव पेटी में न डालकर अपने पास रख रहे थे। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव अयोध्या सांसद के पैर छूते दिखाई दिए थे। वाराणसी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर FIR दर्ज हुई है। ये FIR पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास ने कोतवाली थाने में कराई है। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुरोध राय ने चेतावनी देते कहा- पप्पू यादव के पापों का अंत हो गया है। सजा का समय आ गया है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी सनातन विरोधी हैं। अगर इन लोगों ने माफी नहीं मांगी तो सनातन रक्षा संगठन जुबान खींचकर खूंटे से बांध देगा। पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया।

भारत में ड्रग्स सप्लाई ...

नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है। देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए। भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध ड्रग्स उत्पादन क्षेत्रों गोल्डन क्रिसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर तस्कर भारत का इस्तेमाल ड्रग्स को दूसरे देशों तक पहुंचाने के रास्ते (ट्रांजिट रूट) और बड़े बाजार दोनों के रूप में करने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि भारत ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क के निशाने पर रहता है। में 5 प्रमुख आध्यात्मिक गुरु—अम्मा, श्री श्री रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा। यह अभियान 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाएं और उद्योग संगठन भी इस अभियान से जुड़े हैं। सरकार चाहती है कि इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, युवा संगठन, सामाजिक संस्थाएं, उद्योग संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं मिलकर काम करें। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान सीमा से हेरोइन और दूसरे नशे की तस्करी बड़ी चुनौती है। ड्रोन और सीमा पार नेटवर्क के जरिए नशा भेजा जाता है। हालांकि, भारत में आने वाले कुल ड्रग्स में पाकिस्तान का कितना हिस्सा है, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान सीमा से हेरोइन और दूसरे नशे की तस्करी बड़ी चुनौती है। ड्रोन और सीमा पार नेटवर्क के जरिए नशा भेजा जाता है। हालांकि, भारत में आने वाले कुल ड्रग्स में पाकिस्तान का कितना हिस्सा है, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है।उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुहिम से जुड़ें और नशे के खिलाफ इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

कर्नाटक में जल्द हो ...

इसके अलावा, डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के गुटों की ओर से अलग-अलग नाम सुझाए जा रहे हैं। कर्नाटक में लिंगायत (लगभग 17%) सबसे बड़ा समुदाय है, जबकि दक्षिण कर्नाटक में वोक्कालिगा (लगभग 15%) का दबदबा है, जिसका नेतृत्व उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करते हैं। वहीं, कुरबा (लगभग 7-8%) समाज एक प्रमुख पिछड़ा वर्ग है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आते हैं और वे अपनी अहिंदा राजनीति के जरिए मजबूत पकड़ रखते हैं। सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है।

कप्तान हार्दिक पंड्या के ट्रेड पर फ्रेंचाइजी बोली- अभी ट्रेड पर कोई बातचीत नहीं

आईपीएल : 2027 ट्रेड विंडो से पहले मुंबई इंडियंस का रिव्यू

बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने अपने पूरे स्क्वॉड और क्रिकेट संचालन की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। टीम के खराब प्रदर्शन के बीच सबसे ज्यादा चर्चा कप्तान हार्दिक पंड्या को लेकर हो रही है। पिछले कुछ दिनों में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हार्दिक ट्रेड विंडो के दौरान किसी दूसरी फ्रेंचाइजी में जा सकते हैं। हालांकि अब तक किसी भी तरह के ट्रेड या बातचीत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विकल्पों और विचारों का मूल्यांकन किया जा रहा है, इसलिए अंतिम निर्णय में समय लगना स्वाभाविक है हार्दिक पंड्या को लेकर अटकलें इसलिए भी तेज हुई हैं क्योंकि हाल ही में ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि चेन्नई सुपर किंग्स उन्हें अपनी टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी फ्रेंचाइजी का नाम भी संभावित दिलचस्पी रखने वाली टीमों में लिया जा रहा है। हालांकि इन सभी खबरों पर अभी तक संबंधित टीमों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक मुंबई इंडियंस का रिव्यू केवल कप्तानी या खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है। फ्रेंचाइजी अपने लीडरशिप ग्रुप, कोचिंग स्टाफ और ओवरऑल क्रिकेट ऑपरेशंस का भी मूल्यांकन कर रही है। टीम प्रबंधन ऐसे स्क्वॉड के पुनर्गठन की दिशा में सोच रहा है जो लंबे समय तक लगातार खिताबी दौड़ में बना रह सके। पिछले कुछ वर्षों में टीम का प्रदर्शन अस्थिर रहा है और यही कारण है कि अब संगठन व्यापक बदलावों पर विचार कर रहा है। मुंबई इंडियंस का पिछले तीन सीजन का रिकॉर्ड इस उतार-चढ़ाव को साफ दिखाता है। 2024 में टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। 2025 में पांच बार की चैंपियन फ्रेंचाइजी ने वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई, जिससे उम्मीद जगी कि टीम फिर से मजबूत बन रही है। लेकिन 2026 में एक बार फिर मुंबई इंडियंस लीग चरण से आगे नहीं बढ़ सकी। लगातार बदलते प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को भविष्य की रणनीति पर गंभीरता से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

अब सभी की नजर मुंबई इंडियंस के पोस्ट-सीजन रिव्यू पर टिकी हुई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि फ्रेंचाइजी हार्दिक पंड्या पर भरोसा बनाए रखती है या टीम में बड़े बदलावों की दिशा में कदम उठाती है। फिलहाल इतना तय है कि मुंबई इंडियंस आने वाले सीजन के लिए नई रणनीति और अधिक संतुलित स्क्वॉड तैयार करने की कोशिश में जुटी हुई है।

स्पोर्टस्टार से बातचीत में मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि फ्रेंचाइजी फिलहाल पोस्ट-सीजन रिव्यू की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि टीम के सभी पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जा रहा है और अभी खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर किसी औपचारिक बातचीत में शामिल नहीं हुआ गया है।

मुंबई इंडियंस IPL 2026 में 9वें स्थान पर रही थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स का आखिरी दिन

जूडो और साइक्लिंग में भारत को 5 मेडल की उम्मीद

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के आखिरी दिन भारत जूडो तथा ट्रैक साइक्लिंग में अपनी चुनौती पेश करेगा। ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग में रोनाल्डो सिंह लैतोंजाम और लिशा दास सीधे मेडल इवेंट में उतरेंगे। जूडो में ईशरूप नारंग, अवतार सिंह और यश घंघास मुकाबले खेलेंगे। भारत अब तक 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित 39 मेडल जीत चुका है और मेडल टैली में चौथे स्थान पर हैं। दिन की शुरुआत ट्रैक साइक्लिंग की पुरुष 40 किमी प्वाइंट्स रेस से होगी। दिनेश कुमार और हर्षवीर सिंह सेखों पहले राउंड में उतरेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों खिलाड़ी रात 9:09 बजे होने वाले फाइनल में हिस्सा लेंगे। महिला 78 किग्रा वर्ग में ईशरूप नारंग का मुकाबला स्कॉटलैंड की निकोल वुड से होगा। वहीं पुरुष 100 किग्रा वर्ग में अवतार सिंह साइप्रस के एरिस्टोस माइकल से भिड़ेंगे। पुरुष +100 किग्रा वर्ग में यश घंघास अपना अभियान शुरू करेंगे। यदि भारतीय खिलाड़ी शुरुआती मुकाबले जीतते हैं तो वे क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। जूडो के सेमीफाइनल मुकाबले शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे।

हार्दिक ने सिर मुंडवाया, तिरूपति बालाजी के दर्शन किए

गर्लफ्रेंड महिका शर्मा भी साथ, आईपीएल के बाद से नहीं खेला है कोई मैच

तिरुमाला, एजेंसी

भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने रविवार को तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी) में पूजा-अर्चना की। इस दौरान हार्दिक सिर मुंडवाए हुए थे। हार्दिक के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी मौजूद थीं। मंदिर में दर्शन के दौरान हार्दिक और माहिका दोनों ही पारंपरिक सफेद कपड़ों में दिखाई दिए। तिरुमाला मंदिर में श्रद्धालु अक्सर आस्था और आभार के प्रतीक के रूप में अपने बाल दान करते हैं। हालांकि, हार्दिक ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि उन्होंने सिर क्यों मुंडवाया है। हार्दिक चोट से उबरकर वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हार्दिक पंड्या IPL 2026 के बाद से चोट के कारण क्रिकेट से दूर हैं। पहले उन्हें पीठ में अकड़न की समस्या हुई, फिर जांघ की चोट ने उनकी वापसी टाल दी। IPL 2026 में उन्होंने मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी, लेकिन पांच बार की चैंपियन टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। चोट के कारण हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ लिमिटेड ओवर सीरीज, इंग्लैंड दौरे की वनडे और टी-20 सीरीज तथा जिम्बाब्वे के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज भी नहीं खेल सके। उन्होंने IPL 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। ऐसे में माना जा रहा है कि तिरुमाला में पूजा-अर्चना के साथ वह अब मैदान पर वापसी की तैयारियों में जुट गए हैं। हार्दिक पंड्या ने मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चा चल रही है। हालांकि, अभी तक इस बारे में अधिकारिक बयान नही आया है। पंड्या 2015 से 2021 तक MI की ओर से खेले थे। इसके बाद उन्होंने टीम छोड़ दी और दो साल (2022 और 2023) गुजरात टाइटंस की कप्तानी की। 2024 में उनकी मुंबई में वापसी हुई और उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया। 2024 में मुंबई 10वें और आखिरी स्थान पर रही। 2025 में टीम प्लेऑफ में पहुंची लेकिन खिताब नहीं जीत पाई। इन दोनों सीजन के दौरान और उसके बाद खबरें आई कि पंड्या मुंबई छोड़ सकते हैं या मुंबई उनसे कप्तानी छीन सकती है।

जसप्रीत बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

घुटने की चोट से उबर नहीं पाए, 15 अगस्त से खेली जाएगी सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल इंटर-नेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन बुमराह इस श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी अनुपस्थिति टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह इस समय बाएं घुटने की चोट से उबर रहे हैं। उनका पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहा है। मेडिकल टीम ने उनकी मौजूदा स्थिति का आकलन करने के बाद फिलहाल प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी नहीं करने की सलाह दी है। डॉक्टरों का मानना है कि जल्दबाजी में मैदान पर लौटना उनकी फिटनेस के लिए जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने तक आराम करने को कहा गया है। हालांकि, इस मामले में बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि बोर्ड मेडिकल टीम की अंतिम रिपोर्ट के बाद ही बुमराह की वापसी को लेकर फैसला करेगा। गौरतलब है कि बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वह सीरीज का आखिरी वनडे मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। अब उनकी गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी अन्य गेंदबाजों पर होगी। भारतीय टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बुमराह पूरी तरह फिट होकर आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में वापसी करेंगे।

32 साल के बुमराह को मंगलवार को भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर था। पीटीआई की रिपोर्ट में कहा गया था कि बुमराह श्रीलंका सीरीज के लिए फिट हो जाएंगे।

सिराज-प्रसिद्ध भी टीम में शामिल

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी जगह मिली है। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज के कंधों पर तेज गेंदबाजी का जिम्मा होगा। गुरनूर बरार भी टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है।

बुमराह ने श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट खेले

बुमराह ने श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 9.00 की औसत के साथ उन्होंने कुल 10 विकेट लिए हैं। एक पारी में 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं। उन्होंने श्रीलंका की धरती पर अब तक कोई टेस्ट नहीं खेला है। बुमराह ने अपने टेस्ट करियर में 234 विकेट लिए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है।

भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है।

दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। उसने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है।

मनोरंजन

ऋतिक रोशन पर भड़की कंगना रनोट

बोलीं- आग में घी डालने जैसा व्यवहार बंद करें और अपनी पार्टनर को शर्मिंदा न करें

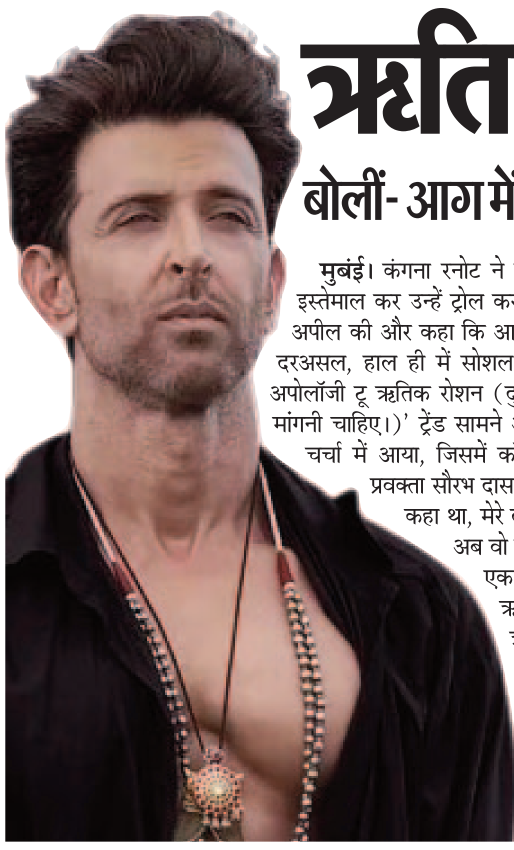

मुंबई। कंगना रनोट ने ऋतिक रोशन से उनके नाम का इस्तेमाल कर उन्हें ट्रोल करने वालों की आलोचना करने की अपील की और कहा कि आग में घी डालने से बचना चाहिए। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर 'द वर्ल्ड ओज एन अपोलॉजी टू ऋतिक रोशन (दुनिया को ऋतिक रोशन से माफी मांगनी चाहिए।)' ट्रेंड सामने आया।यह ट्रेंड उस बयान के बाद चर्चा में आया, जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ता सौरभ दास ने बरखा दत्त के साथ बातचीत में कहा था, मेरे दोस्त भी मुझे मैसेज कर रहे थे कि अब वो तुम्हारे पीछे क्यों पड़ी है? उनमें से एक ने कहा कि मैं थोड़ा-बहुत यंग ऋतिक रोशन जैसा दिखता हूं। ऋतिक के इस रिएक्शन के बाद कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि आपको अपना परफेक्ट पार्टनर मिल गया है। सबा आजाद के साथ आपकी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है।

कंगना रनोट ने ऋतिक रोशन पर साधा निशाना

ऋतिक के इस रिएक्शन के बाद कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि आपको अपना परफेक्ट पार्टनर मिल गया है। सबा आजाद के साथ आपकी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है और आप दोनों एक गंभीर रिश्ते में हैं।'

"इस ट्रेंड के बीच कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कंगना रनोट को ट्रोल। एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऋतिक रोशन ने कहा था, मेरे दोस्त, सिर्फ इसलिए किसी 'ए' का पक्ष लेना क्योंकि अब आप 'बी' को पसंद नहीं करते, हमारे समाज को नुकसान पहुंचाने वाली एक बड़ी प्रणालीगत समस्या का एक छोटा सा हिस्सा है। मैं तब तक इंतजार करूंगा, जब तक इसके पीछे का संदर्भ सही न हो और वह तथ्यों से प्रेरित न हो। वह सही होगा, लेकिन फिर से, अब किसे परवाह है, है ना?"

'द अलायंस' में सलमान की एंट्री

भाई को देखकर इमोशनल हुए सोहेल खान

मुंबई। प्राइम वीडियो के शो 'द अलायंस' के आने वाले एपिसोड के नए प्रोमो में सलमान खान की घर में एंट्री दिखाई गई। इस दौरान उन्होंने डेनिम शर्ट, चारकोल ट्राउजर और काउबॉय हैट पहनी हुई थी। सलमान के आते ही कंटेस्टेंट्स खुशी और हैरानी से भर गए। सोहेल खान अपने भाई सलमान खान को देखकर सबसे ज्यादा हैरान नजर आए। उनके चेहरे के भाव हैरानी से खुशी में बदल गए और वह सलमान को गले लगाने के लिए आगे बढ़े। सलमान ने उन्हें गले लगाते हुए मुस्कुराकर पूछा, 'क्या भाई?' प्रोमो के मुताबिक, सलमान की एंट्री उस समय हुई, जब सोहेल खान पूर्व पत्नी सीमा सचदेह के शो से बाहर होने और ग्रोइन में चोट लगने के बाद 'अलायंस' हाउस में उदास महसूस कर रहे थे। हाल के एपिसोड में सोहेल खान ने खुद को एलिमिनेशन के लिए नॉमिनेट किया था। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से वह टास्क में योगदान नहीं दे पाए, जबकि दूसरे कंटेस्टेंट चोटिल होने के बावजूद मुकाबला कर रहे थे।

आध्यात्मिक शरण में एक्ट्रेस टिस्का चोपड़ा

बोलीं- 'घर वापसी' जैसा आध्यात्मिक अनुभव मिला

धर्मशाला। बॉलीवुड एक्ट्रेस एवं निर्देशक टिस्का चोपड़ा इन दिनों हिमाचल प्रदेश की शांत वादियों में आध्यात्मिक सुकून की तलाश में हैं। गुरु पूर्णिमा पर उन्होंने पालमपुर के कंदवाड़ी स्थित महावतार बाबा मेडिटेशन सेंटर का दौरा किया। यहां उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु योगीराज अमर ज्योति से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। दोनों की यह मुलाकात लगभग तीन दशकों (30 वर्षों) के लंबे अंतराल के बाद हुई है। बातचीत में टिस्का चोपड़ा ने नुभव को बेहद भावुक और आत्मिक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 30 वर्षों के बाद अपने गुरु योगीराज अमर ज्योति से दोबारा मिलना उनके लिए किसी 'घर वापसी' जैसा अनुभव था। आश्रम प्रवास के दौरान उन्होंने ध्यान (मेडिटेशन), पवित्र हवन और गुरु के सान्निध्य में समय बिताया। टिस्का चोपड़ा ने कहा कि कुछ अनुभव शोर के साथ नहीं आते, बल्कि चुपचाप जीवन में उतरते हैं। वे अपने साथ अधिक स्पष्टता, विनम्रता और यह एहसास छोड़ जाते हैं कि जीवन की सबसे गहरी यात्राएं हमेशा भीतर की ओर होती हैं। आश्रम प्रवास के बाद टिस्का ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने स्वीकार किया कि जब जीवन में तनाव, अत्यधिक सोच और लगातार भागदौड़ बढ़ जाती है, तब उनकी रचनात्मकता फीकी पड़ने लगती है। ऐसे समय में परिस्थितियों से उलझने के बजाय वे सुकून की तलाश में सीधे पहाड़ों की ओर रुख कर लेती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि देवदार के वृक्षों की महक, बर्फीली धाराओं का शीतल जल और बादलों के बीच बिताए कुछ दिन उनकी आत्मा को फिर से तरोताजा और शांत कर देते हैं।

असम में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे रणदीप हुड्डा

लंगर में विस्थापित लोगों को खाना खिलाया, कार्तिक आर्यन ने मदद के लिए 1 करोड़ दिए थे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने शनिवार को असम के शिवसागर में ग्लोबल सिख्स द्वारा आयोजित बाढ़ राहत वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को राशन और अन्य जरूरी सामान वितरित किया। रणदीप हुड्डा ने शिवसागर में गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका और बाढ़ प्रभावित असम के लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने राहत कार्य में भी भाग लिया। सेवा के दौरान रणदीप हुड्डा ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा कि शिवसागर रेलवे स्टेशन पर आसपास के इलाकों से प्रभावित परिवार पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सात दिनों से हर दिन भोजन तैयार कर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से ग्लोबल सिख्स के साथ जुड़े हैं। रणदीप हुड्डा ने लोगों से अपील की कि वे सीधे राहत कार्यों में भाग लेकर, प्रार्थना करके या राहत संगठनों को आर्थिक सहायता देकर जरूरतमंदों की मदद करें असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक बाढ़ के कारण 82 लोगों की मौत हो चुकी है। असम में आई भीषण बाढ़ पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने दुख जताया था। आलिया ने कहा था कि हर साल यह त्रासदी आती है, फिर भी लोग तैयार नहीं होते। उन्होंने जल्द राहत संगठनों की जानकारी शेयर करने का वादा किया था।

कई बॉलीवुड सेलेब्स मदद के लिए आगे आए

रणदीप हुड्डा के अलावा असम में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए कार्तिक आर्यन और सलमान खान जैसे बॉलीवुड सेलेब्स भी मदद के लिए आगे आए हैं। सलमान खान ने अपनी चैरिटेबल संस्था 'बीइंग ह्यूमन' के जरिए बाढ़ प्रभावित इलाकों में कई लेवल का राहत अभियान शुरू किया था। कैंपेन के पहले फेज में बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैयार खाने के पैकेट और दूसरी जरूरी चीजें बांटी जा रही हैं। कार्तिक आर्यन ने असम के मुख्यमंत्री राहत कोष (CM Relief Fund) में 1 करोड़ रुपए की राशि दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इस समय की गई इस बड़ी मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया था।

होर्मुज खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी, सऊदी ने कार्रवाई रोकने को कहा था

ईरान पर हमला फिलहाल टाला : ट्रम्प

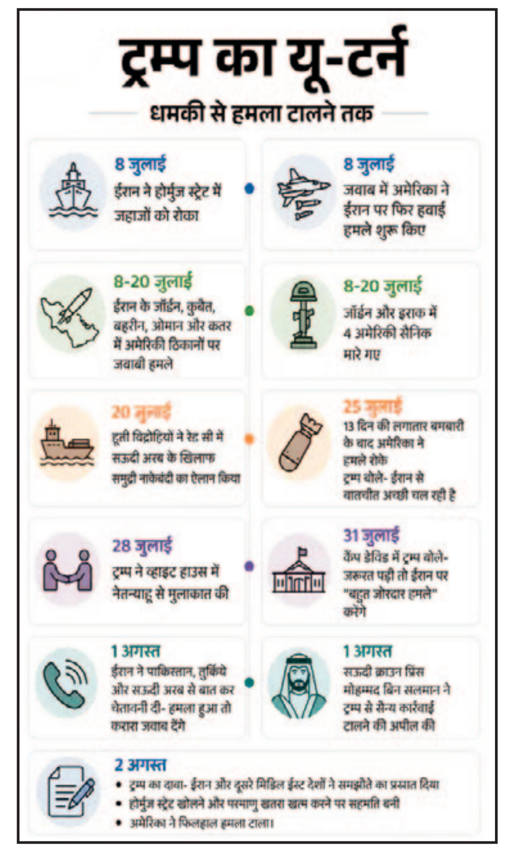

रोक

वॉशिंगटन एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन ने अल जजीरा से कहा कि ट्रम्प के हमला टालने के फैसले को ईरान अपनी रणनीतिक जीत के तौर पर देख सकता है। उन्होंने कहा, ईरान शायद यही मानेगा कि डोनाल्ड ट्रम्प संभावित बड़े युद्ध और उसके जोखिम को देखते हुए पीछे हट गए।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प ने हमला टाला, लेकिन हालात अब भी नाजुक

ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

उन्होंने कहा, "ट्रम्प के हमला टालने से हालात सामान्य नहीं हुए हैं। स्थिति अब भी बेहद नाजुक है और कभी भी बिगड़ सकती है।

ईरान धमकियों के साये में बातचीत नहीं करेगा, क्योंकि उसे लगता है कि हर बार नरमी दिखाने का फायदा अमेरिका उठाता है।"

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. अमेरिका ने मिडिल ईस्ट छोड़ने की एडवाइजरी जारी की: अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों से कहा है कि अगर सुरक्षा हालात और बिगड़ते हैं तो वे पश्चिम एशिया छोड़ने की तैयारी रखें। एडवाइजरी ट्रम्प की ईरान पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी के बीच जारी की गई।

2. ईरान बोला- हर अमेरिकी हमले का उसी तरह जवाब देंगे: ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान किसी भी अमेरिकी सैन्य हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने पाकिस्तान और तुर्किये के नेताओं से बातचीत में भी यही संदेश दोहराया।

3. अमेरिका के पास इजराइल की रक्षा के लिए संसाधन कम पड़ रहे: वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना के वरिष्ठ जनरल ने पेंटागन को चेतावनी दी है कि ईरान के लगातार हमलों से इजराइल की रक्षा के लिए मौजूदा नौसैनिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं।

4. जयशंकर ने ईरान से कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना न बनाएं: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से फोन पर बात कर कारोबारी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। सरकार ने बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष में अब तक 16 भारतीयों की मौत और 75 लोग घायल हुए हैं।

5. अमेरिका इजराइल में 40 रीफ्यूलिंग विमान तैनात करेगा: इजराइली मीडिया के मुताबिक, अमेरिका बेन गुरियन एयरपोर्ट पर 10 और रीफ्यूलिंग विमान भेज रहा है। इसके बाद वहां ऐसे विमानों की कुल संख्या 40 हो जाएगी, जिससे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैयारियां और मजबूत होंगी।

फास्ट न्यूज

टॉप-10 में 9 कंपनियों का मार्केट-कैप 2.51 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार की शानदार रिकवरी से देश की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 9 के मार्केट कैपिटलाइजेशन में कुल लगभग 2.51 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बेहतर वैश्विक सेंटिमेंट और पहली तिमाही (Q1 FY27) के मजबूत नतीजों की वजह से निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली।

प्रदर्शन कर रही पंजाबी छात्रा का दर्द

जालंधर। कनाडा के पोर्टाज कॉलेज में पढ़ रहे पंजाबी छात्रों का आंदोलन में दर्द छलका है। पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के रिजेक्शन मिलने से स्टूडेंट्स 3 हफ्ते से सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों ने आंकड़े शेयर करते हुए बताया कि हालिया पोल्स के मुताबिक, 485 रिजेक्शन के मुकाबले 50 से भी कम अप्रूवल मिले हैं। जबकि, पोटाज कॉलेज ने एडमिशन के वक्त वादा किया था कि उन्हें PGWP मिलेगा और उनकी डिग्री वैध होगी। अब जब उनके लाखों रुपए कोर्स पर बर्बाद हो गए तो घर जाने के लिए कह रहे हैं। पंजाब की एक छात्रा ने बताया- हालात ये हैं।

कतर के एलएनजी टैंकर पर होर्मुज में हमला

वॉशिंगटन। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कतर के LNG (लिक्विफाइड नैचुरल गैस) से भरे एक टैंकर पर शनिवार को हमला हुआ। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने जहाज की पहचान 'गैसलॉग शंघाई' के रूप में की है। बताया गया कि टैंकर किसी मिसाइल या ड्रोन की चपेट में आ गया। इससे पहले ब्रिटेन की एक एजेंसी ने बताया था कि ओमान तट के पास एक टैंकर पर हमला हुआ। इससे उसके इंजन रूम को नुकसान पहुंचा और वह आगे नहीं बढ़ पाया।

यूपीआई का जुलाई में नया रिकॉर्ड, 2366 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए

कुल ₹29.88 लाख करोड़ की वैल्यू का लेनदेन हुआ, फास्टैग वॉल्यूम 4% घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने जुलाई 2026 में 2,366 करोड़ ट्रांजैक्शन के साथ अपना अब तक का सबसे ज्यादा मंथली वॉल्यूम दर्ज किया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा शेयर किए गए डेटा के मुताबिक, इस दौरान कुल 29.88 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ। जून की तुलना में जुलाई में ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में 4.1% और वैल्यू में 3.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कैशफ्री पेमेंट्स के को-फाउंडर रीजू दत्ता ने इस ग्रोथ पर कहा कि जुलाई में ऐसी कोई परिस्थितियां नहीं थीं, जिसका मतलब है कि यह ग्रोथ किसी मौसमी या स्ट्रक्चरल इवेंट के बजाय पूरी तरह से ऑर्गेनिक और रोजमर्रा के ट्रांजैक्शन बिहेवियर की वजह से हो रही है। अगर पिछले साल की इसी अवधि (जुलाई 2025) से तुलना करें, तो यूपीआई ट्रांजैक्शन

वॉल्यूम में 22% का जोरदार उछाल आया है। वहीं, ट्रांजैक्शन वैल्यू में भी सालाना आधार पर 19% की बढ़ोतरी देखी गई है। पेनियरबाय के फाउंडर, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा कि सबसे बड़ा बदलाव मेट्रो शहरों से परे हो रहा है। टियर 2, टियर 3 और ग्रामीण बाजारों में यूपीआई कभी-कभार इस्तेमाल होने वाले विकल्प से हटकर रोजमर्रा के ट्रांजैक्शन का हिस्सा बनता जा रहा है। कंज्यूमर स्थानीय खरीदारी, रिचार्ज, बिल पेमेंट और मनी ट्रांसफर के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे, 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स देखने पहुंचे थे

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत

पेरू, एजेंसी

पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद

प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है। जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी

नाज्का लाइन्स क्या हैं?

पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं। इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं। नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है। यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे

- पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।
- 2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई।
- 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो, रूस के हमले में 9 की मौत

जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी

- जेलेंस्की ने एक्स पर वीडियो जारी करके अमेरिका और यूरोपीय देशों से मदद मांगी।

> *जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की।*

कीव, एजेंसी

रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर

हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। फुटेज यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के मिसाइल हमलों के बाद का है। दमकलकर्मी हमले के बाद लगी आग को बुझा रहे हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है।

पैट्रियट मिसाइल सिस्टम क्या है

पैट्रियट अमेरिका का अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। इसकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह बेहद कम समय में आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को भी इंटरसेप्ट कर सकता है। इसी वजह से रूस के लगातार बढ़ते मिसाइल हमलों के बीच यह यूक्रेन की सबसे अहम सुरक्षा ढाल माना जाता है। पैट्रियट सिस्टम में लॉन्चर, रडार, कमांड सेंटर और इंटरसेप्टर मिसाइलें शामिल होती हैं। रडार पहले लक्ष्य की पहचान करता है।

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की गिलगित-बाल्टिस्तान में मौत

8 हजार मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ रहे थे, हिमस्खलन में गई जान

इस्लामाबाद, एजेंसी

मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। उनकी ही पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशन ने इसकी पुष्टि की है। निर्मल 30 जुलाई को काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। इसमें निर्मल समेत 10 पर्वतारोही लापता हो गए थे। इनमें छह नेपाली थे। पुर्जा ने 2012 में ब्रिटिश नागरिकता ले ली थी, जिसके बाद उनकी नेपाली नागरिकता खत्म हो गई थी। नेपाल और दुनियाभर के पर्वतारोहियों के बीच 'निम्स दाइ' के नाम से मशहूर निर्मल पुर्जा ने 2019 में 'प्रोजेक्ट पॉसिबल' की शुरुआत की

थी। उनका मकसद था दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को सिर्फ सात महीने में फतह करना। उस समय इसे लगभग असंभव माना जा रहा था।

निर्मल पुर्जा ने यह कारनामा महज छह महीने और छह दिन में पूरा कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण कोरिया के पर्वतारोही किम चांग-हो का करीब 8 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। निर्मल पुर्जा का जन्म 25 जुलाई 1983 को नेपाल के म्याग्दी जिले के दाना गांव में हुआ था। उनके परिवार का सेना से गहरा नाता रहा है। कई पीढ़ियों से परिवार के लोग गोरखा रेजिमेंट में सेवा करते रहे। उनके पिता और तीन बड़े भाई भी गोरखा सैनिक थे। ऐसे माहौल में पले-बढ़े निर्मल ने भी बचपन से ही सैनिक बनने का सपना देखा। बाद में उन्होंने इसी परंपरा को आगे बढ़ाया और ब्रिटिश सेना की गोरखा रेजिमेंट में भर्ती हो गए। करीब छह साल तक गोरखा सैनिक के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वे ब्रिटिश रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस (SBS) में शामिल होने वाले पहले नेपाली बने। SBS ब्रिटेन की नौसेना की सबसे खतरनाक और प्रतिष्ठित स्पेशल फोर्स है। इसके सैनिक समुद्र, पहाड़, जंगल और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट ऑपरेशन चलाने के लिए ट्रेंड होते हैं।

इन्वेस्टमेंट : जुलाई में ₹20,200 करोड़ की खरीदारी की, बेहतर वैल्युएशन और कॉरपोरेट कमाई का असर

भारतीय शेयर बाजार में 4 महीने बाद लौटे विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी करते हुए इक्विटी में करीब 20,200 करोड़ का नेट इन्वेस्टमेंट किया है। इसके साथ ही पिछले 4 महीनों से लगातार जारी बिकवाली का सिलसिला थम गया है। आकर्षक वैल्युएशन, कॉरपोरेट कमाई में सुधार और वैश्विक दबाव कम होने से घरेलू शेयरों में विदेशी निवेशकों का निवेश फिर से शुरू हुआ है। जुलाई की ताजा खरीदारी से बाजार को राहत जरूर मिली है, लेकिन इससे लंबे समय से चली आ रही बिकवाली का नुकसान पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। साल 2026 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 2.54 लाख करोड़ की निकासी कर चुके हैं। यह

आंकड़ा पूरे साल 2025 के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ की कुल निकासी से भी ज्यादा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की तुलनात्मक स्थिरता, लार्ज-कैप शेयरों में वाजिब वैल्युएशन और कॉरपोरेट अर्निंग्स में सुधार के संकेतों ने विदेशी निवेशकों के बीच भारत का आकर्षण फिर से बढ़ाया है। इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म 'ट्रैक' के को-फाउंडर और CEO वेदांत गुप्ते के मुताबिक, जून तिमाही के नतीजों ने कई अहम सेक्टरों में शुरुआती रिकवरी के संकेत दिए हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। विशेष रूप से इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) शेयरों में मजबूत री-रेटिंग देखी गई। उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों ने आईटी उद्योग के लंबे समय के ग्रोथ आउटलुक पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के संभावित असर की चिंताओं को शांत करने में मदद की है। इसके अलावा ग्लोबल मैक्रो-इकोनॉमिक हालात भी इमर्जिंग मार्केट्स के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। गुप्ते ने बताया कि अमेरिकी डॉलर पर दबाव कम होने और अमेरिकी ब्याज दरों के अपने पीक के करीब पहुंचने की उम्मीदों ने भारत जैसे बाजारों के लिए निवेश का माहौल बेहतर किया है।

साउथ कोरिया और ताइवान में अस्थिरता का फायदा भारत को मिला

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार ने बताया कि साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में बढ़ी अनिश्चितता और चिप ट्रेडमें ज्यादा कंसंट्रेशन के जोखिमों ने विदेशी निवेशकों को भारत जैसे अपेक्षाकृत स्थिर बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। विजयकुमार के अनुसार, भारतीय रुपए की मजबूती और स्थिरता के साथ-साथ भारत के लार्ज-कैप सेगमेंट में वाजिब वैल्युएशन ने विदेशी पूंजी की वापसी में अहम भूमिका निभाई है।

4 महीने की बिकवाली पर ब्रेक लगा

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में हुआ यह निवेश बाजार के लिए एक बड़ा टर्नअराउंड है। इससे पहले लगातार 4 महीनों तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में भारी बिकवाली की थी।

- **मार्च: 1.17 लाख करोड़ की बिकवाली की थी।**
- **अप्रैल: 60,847 करोड़ निकाले थे।**
- **मई: 32,963 करोड़ की निकासी की थी।**
- **जून: 49,340 करोड़ शेयर बाजार से बाहर निकाले थे।**

सीबीआई ने अनिल अंबानी पर एफआईआर दर्ज की

रिलायंस कैपिटल पर ईपीएफओ को 1,816 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

CBI ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड और इसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ FIR दर्ज की है। कंपनी पर EPFO यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को 1816.22 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप है। अधिकारियों ने शनिवार, 1 अगस्त को इसकी जानकारी दी। यह कार्रवाई केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 21 जुलाई को दी गई एक शिकायत के आधार पर की। शिकायत में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और EPFO को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। हालांकि, अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि BDO इंडिया के ऑडिट से पहले भी कई फर्जी ट्रांजैक्शन

पाए गए थे। इन ट्रांजैक्शन के जरिए रिलायंस कैपिटल का पैसा बाहर निकाला गया, जो आगे चलकर कंपनी के डूबने की वजह बना। ED की जांच से पता कि कंपनी में अनियमित लोन बांटने, पैसों का दुरुपयोग और सिक्योरिटी को कमजोर करने जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि अगर ये आरोप साबित होते हैं, तो इन्हीं वजहों से कंपनी की वित्तीय हालत खराब हुई। वह डिबेंचर होल्डर्स का भुगतान नहीं कर पाई और EPFO को नुकसान हुआ।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96